www.tamsasanket.com
वर्षः 30 || अंक 22 || अम्बेडकरनगर
सोमवार
13 अप्रैल 2026 ||पृष्ठः 08 ||मूल्यः 2 ₹
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:45
सूर्यास्तः 06:29
अधिकतमः 36°0
न्यूनतमः 26°0

पेज 07

विशेष समाचार

तेरे कूचे से बेआबरू होकर... >>पेज 04
पिता के लिए मन्नत मांगने ... >>पेज 06
92 की उम्र में सुरों की मलिका ...

ईरानी नौसेना ने अमेरिकी जहाज को होर्मुज पार करने से रोका

फार्स न्यूज एजेंसी के मुताबिक ईरानी सेना ने एक अमेरिकी जहाज को हार्मुज स्ट्रेट से वापस लौटा दिया। रिपोर्ट के मुताबिक एक अमेरिकी युद्धपोत फुजैराह बंदरगाह से होर्मुज की ओर बढ़ रहा था। ईरान की सेना ने इस जहाज की गतिविधियों पर नजर रखी और इसकी जानकारी पाकिस्तान में मौजूद डेलिगेशन को दी। इसके बाद ईरानी टीम ने पाकिस्तानी मध्यस्थ के जरिए तुरंत अमेरिका को मैसेज भेजा। ईरान ने मैसेज भेजा कि अगर यह जहाज होर्मुज के करीब आया, तो उस पर हमला किया जाएगा। यहां तक कहा गया कि अगर जहाज आगे बढ़ा, तो 30 मिनट के भीतर उसे निशाना बनाया जाएगा और इसका असर अमेरिका-ईरान बातचीत पर भी पड़ेगा।

ट्रम्प बोले- ईरान को टोल दिया तो रास्ता नहीं मिलेगा, ईरान बोला- टोल देना ही पड़ेगा

डोनाल्ड ट्रम्प ने जहाजों की नाकाबंदी का किया ऐलान

"ट्रम्प ने कहा कि जो जहाज ईरान को गैरकानूनी टोल देंगे, उन्हें सुरक्षित रास्ता नहीं दिया जाएगा। इससे ईरान की आर्थिक ताकत कम की जाएगी। अमेरिका किसी भी स्थिति के लिए तैयार है। जरूरत पड़ने पर युद्ध खत्म करने के लिए कार्रवाई करेगा। इससे पहले ईरान के उप संसद अध्यक्ष हाजी बाबाई ने कहा था कि यह स्ट्रेट ईरान के कंट्रोल में है। उन्होंने इसे तेहरान की रेड लाइन बताया और कहा कि यहां से गुजरने वाले जहाजों को ईरानी करेंसी रियाल में टोल देना होगा।"

ऐलान

तमसा संकेत, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ऐलान किया है कि अमेरिकी नेवी अब होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों की नाकाबंदी करेगी। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि जो भी जहाज इस रास्ते से गुजरने की कोशिश करेगा, उसे रोका जाएगा और जांच की जाएगी। खास तौर पर उन जहाजों पर नजर रखी जाएगी, जिन्होंने ईरान को टोल दिया है। ईरान और अमेरिका के बीच कल पाकिस्तान में 21 घंटे चली शांति वार्ता बेनतीजा रही। रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों के बीच होर्मुज स्ट्रेट खोलने और न्यूक्लियर प्रोग्राम पर पेंच फंसा है। ट्रम्प ने कहा है कि ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट खोलने का वादा किया था, लेकिन उसे पूरा नहीं किया। इससे दुनिया के कई देशों और लोगों में डर और परेशानी बढ़ी है। ट्रम्प ने कहा कि ईरान ने समुद्र में बारूदी सुरंगें होने की बात कही है, जिससे जहाजों के लिए खतरा पैदा हो गया है। इसी वजह से कोई भी जहाज इस रास्ते से जाने में जोखिम नहीं लेना चाहता। उन्होंने कहा कि इससे ईरान की इमेज को नुकसान पहुंचा है और अब उसे जल्दी से यह रास्ता खोलना चाहिए। डोनाल्ड ट्रम्प ने ऐलान किया है कि अमेरिकी नौसेना जल्द ही होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही पर नाकाबंदी शुरू करेगी। जो भी जहाज इस रास्ते से गुजरने की कोशिश करेगा, उसे रोका जाएगा। उन्होंने ईरान पर आरोप लगाया कि वह इस रास्ते के जरिए दुनिया से जबरन पैसे वसूलने की कोशिश कर रहा है। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका इस तरह के दबाव को कभी नहीं मानेगा।

>> (शेष पेज 06 पर)

ईरान युद्ध में 3,375 लोगों की मौत, सरकारी संस्था का दावा

ईरान ने कहा है कि अमेरिका और इजराइल के साथ हुए युद्ध में अब तक 3,375 लोगों की मौत हो चुकी है। यह जानकारी ईरान की फोरेंसिक मेडिसिन संस्था के प्रमुख अब्बास मस्जेदी अरानी ने दी है। उन्होंने बताया कि मरने वालों में 2,875 पुरुष और 496 महिलाएं शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, यह आंकड़ा उन शवों की पहचान के बाद सामने आया है, जिनकी जांच फोरेंसिक टीमों ने की। कई मामलों में शवों की पहचान करना मुश्किल था, क्योंकि हमले काफी बड़े पैमाने पर हुए थे।

पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स

■ **पाकिस्तान में बातचीत बेनतीजा:** अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की इस्लामाबाद में ईरान के साथ बातचीत का कोई नतीजा नहीं निकला। वेंस ने कहा कि हमें पूरी तरह भरोसा चाहिए कि ईरान न तो परमाणु हथियार बनाएगा और न ही ऐसी तैयारी करेगा जिससे वह जल्दी हथियार बना सके।

■ **अमेरिका ने माइंस हटाने का अभियान शुरू किया:** अमेरिकी सेना के सेंटकॉम (CENTCOM) ने कहा है कि अमेरिकी युद्धपोत समुद्री रास्ते को सुरक्षित बनाने की तैयारी कर रहे हैं। आरोप है कि ईरान ने इस अहम समुद्री मार्ग में बारूदी सुरंगें बिछाई हैं।

■ **नेतन्याहू बोले- अभियान अभी खत्म नहीं:** इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई अभी खत्म नहीं हुई है। उनका कहना है कि हमले इसलिए किए गए क्योंकि ईरान परमाणु हथियार बनाने के करीब था। उन्होंने दावा किया कि इन हमलों से ईरान के परमाणु कार्यक्रम को बड़ा नुकसान पहुंचा है।

■ **इमोशनल मैसेज:** ईरानी संसद के स्पीकर गालिबाफ शुक्रवार रात प्लेन में बच्चों की तस्वीरें रखकर पाकिस्तान पहुंचे। ये बच्चे 28 फरवरी को मिसाइल हमले में मारे गए थे। इसका इल्जाम अमेरिका-इजराइल पर लगा था।

■ **लेबनान में हमले जारी:** लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, तुफाहता इलाके में हुए हमलों में 9 लोग घायल हुए हैं, जिनमें 5 की हालत गंभीर है।

क्यों नहीं हुई ईरान-अमेरिका डील, क्या ईरान चाहकर भी नहीं खोल सकता होर्मुज

पाकिस्तान में ईरान-अमेरिका के बीच 21 घंटे चली बातचीत बेनतीजा रही। अमेरिकी उप-राष्ट्र-पति जे.डी. वेंस ने कहा, 'अमेरिका बिना किसी डील के वापस लौट रहा है। ये ईरान के लिए ज्यादा बुरी खबर है। हम उन्हें बेस्ट ऑफर देकर जा रहे हैं। देखना है कि वे मानते हैं या नहीं।' वहीं ईरान का कहना है कि अमेरिका की शर्तें जरूरत से ज्यादा सख्त हैं।

लाल जी टंडन कृत पुस्तक स्मृति नाद का लोकार्पण

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने किया संबोधित

- जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर अवधेशानंद गिरि और राजनाथ सिंह ने दीप जलाकर लालजी टंडन की पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम का शुभारंभ किया।
- राजनाथ सिंह ने लखनऊ महानगर पूर्व महामंत्री राम अवतार कनौजिया की पत्नी रानी कनौजिया के चित्र पर फूल चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में पूर्व राज्यपाल लालजी टंडन की पुस्तक 'स्मृति नाद' का विमोचन किया। कार्यक्रम की शुरुआत जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर अवधेशानंद गिरि की अध्यक्षता में दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। इसके पहले राजनाथ सिंह ने वरिष्ठ नागरिकों से सीधा संवाद किया। विभिन्न सामाजिक, धार्मिक और व्यापारिक संस्थाओं के प्रतिनिधि मंडलों से 5 ए कालिदास मार्ग आवास पर भेंट की।

>> (शेष पेज 06 पर)

प.बंगाल में एसआईआर : सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई

वोटर लिस्ट से 91 लाख नाम कटे थे, 23 अप्रैल को पहले चरण की वोटिंग

सुनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले सुप्रीम कोर्ट सोमवार को SIR पर सुनवाई करेगा। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच मामले की सुनवाई करेगी। 10 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि वह मतदाता सूची फ्रीज होने के खिलाफ नई याचिकाओं की एक साथ सुनवाई करेगा। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट मालदा जिले में SIR प्रक्रिया के दौरान सात न्यायिक अधिकारियों के घेराव से जुड़े मामले में भी सुनवाई करेगा।

>> (शेष पेज 06 पर)

बंगाल में 11.85% नाम हटे

पश्चिम बंगाल में अक्टूबर 2025 में कुल वोटर 7.66 करोड़ थे। इनमें से अब तक 90.83 लाख नाम हटाए गए। लगभग 11.85% वोटर कम हो गए। यानी अब राज्य में 6.76 करोड़ वोटर हैं। चुनाव आयोग ने फाइनल आंकड़े जारी नहीं किए हैं। इसके अलावा जांच के तहत आए 60.06 लाख वोटरों में से 27.16 लाख के नाम हटाए गए।

फास्ट न्यूज

अलविदा आशा भोसले, कभी रिकॉर्डिंग स्टूडियो से निकाला गया

मुंबई। सुरों की मल्लिका आशा भोसले का आज 92 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्हें शनिवार रात चेस्ट इन्फेक्शन के चलते मुंबई के ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल में एडमिट करवाया गया था।

>>विस्तृत समाचार (पेज 7)

सरकार जाति जनगणना को ठंडे बस्ते में डालना चाहती : जयराम रमेश

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने रविवार को कहा कि केंद्र सरकार जाति जनगणना को ठंडे बस्ते में डालना चाहती है। साथ ही महिला आरक्षण कानून में बदलाव के जरिए देश को गुमराह कर रही है। जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर लिखा- सरकार अनुच्छेद 334-A में संशोधन की बात कर रही है। यह तर्क दे रही है कि जाति जनगणना के नतीजे आने में समय लगेगा। लेकिन बिहार और तेलंगाना जैसे राज्यों ने 6 महीने से कम समय में जाति सर्वे पूरा किया है। उन्होंने कहा कि ये सरकार का छिपा हुई एजेंडा है।

100 की स्पीड में बस ने पिकअप को उड़ाया, 13 मौतें

कटिहार। बिहार के कटिहार में शनिवार देर शाम बस और पिकअप की टक्कर में 13 लोगों की मौत हो गई। इसमें एक ही परिवार के 5 लोग शामिल हैं। मृतकों में 10 महिलाएं, 2 पुरुष और एक बच्ची है। इसमें 11 मृतक पूर्णिया जिले के रहने वाले थे, जबकि दो कटिहार के हैं।

यूपी का बुलडोजर बंगाल में गुंडों का इलाज करेगा : योगी

ममता सरकार मुस्लिम वोट बैंक की सौदागर

तमसा संकेत, एजेंसी

सीएम योगी ने रविवार को पश्चिम बंगाल में कहा- टीएमसी के लोग चाहते हैं कि आधी आबादी उर्दू बोले। उनसे कहिए कि जहां उर्दू बोली जाती है, वहां चले जाएं। बंगाल में बांग्ला ही बोली जाएगी। बंगाल में गुंडों का इलाज यूपी का बुल्डोजर करेगा। बुल्डोजर केवल सड़कें नहीं बनाता, माफियाओं का भी इलाज करता है। बेटियों की इज्जत से खिलवाड़ करने वालों की पसलियों को मसल डालता है। सीएम ने टीएमसी नेताओं को मुस्लिम वोटबैंक की सौदागर करार दिया। उन्होंने कहा- यूपी में अब सड़कों पर नमाजें नहीं पढ़ी जाती हैं। मस्जिदों से चिल्लाने की आवाज नहीं आती है। लव जिहाद के लिए सख्त कानून है। गो-हत्या नहीं हो सकती है। हर बेटी, हर व्यापारी सुरक्षित है। हर हाथ को काम है, हर खेत में पानी है। यूपी के विकास को कांग्रेस और सपा भी नहीं रोक पाई है। योगी ने कहा- जो गुंडागर्दी आज बंगाल में है, वही 9 साल पहले यूपी में थी। हर पर्व और त्योहार पर दंगे होते थे। महीनों-महीनों कर्फ्यू लगता था। व्यवसाय ठप पड़े रहते थे। सरकार के समानांतर (पैरलल) गुंडे-माफिया शासन करते थे।

अब 15 साल का हिसाब देना होगा, सिलीगुड़ी की जनसभा उनकी नींद उड़ा देगी

टीएमसी ने मदरसों के लिए 6000 करोड़ दिए : मोदी

जनसभा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली/कोलकाता/चेन्नई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि TMC ने मदरसों के लिए 6000 करोड़ दिए, लेकिन विकास के लिए कुछ नहीं किया। वह सिर्फ अपने खास वोट बैंक के लिए पैसे देती है। आपने TMC के शासन काल में बंगाल की बर्बादी देखी है। अब उन्हें 15 साल का हिसाब देना होगा। उन्होंने कहा कि बंगाल से TMC का जाना तय है।

कल मेरे रोड शो में लोगों ने जो प्यार दिखाया, उसे मैं कभी नहीं भूल सकता। आज सिलीगुड़ी की यह जनसभा TMC की नींद उड़ा देगी। PM का आज पश्चिम बंगाल दौरे का दूसरा दिन है। उन्होंने सिलीगुड़ी में जनसभा की। मोदी ने दार्जिलिंग की सभी 5 और जलपाईगुड़ी जिले की सभी 7 सीटों पर भाजपा के उम्मीदवारों के लिए वोट मांगे। PM मोदी ने CAA (नागरिकता संशोधन अधिनियम) का भी जिक्र किया। उन्होंने 'कमल खिलाओ, घुसपैठिया भगाओ' के नारे लगाते हुए कहा कि TMC की सरकार निर्मम है।

>> (शेष पेज 06

दार्जिलिंग में बीजेपी मजबूत, जलपाईगुड़ी में मुकाबला

दार्जिलिंग की सभी 5 सीटों पर भाजपा के विधायक हैं। जिले में 66% हिंदू और 24% बौद्ध आबादी है। पहाड़ों पर गोरखा पहचान की राजनीति चलती है, जबकि सिलीगुड़ी जैसे मैदानी इलाकों में शहरी मुद्दे और व्यापार मुख्य हैं। राजबंशी और ST समुदाय यहां किंगमेकर रहे हैं। जिले में 82% हिंदू, 13% मुस्लिम और 3% ईसाई आबादी है।

पीएम की रैली की 3 मुख्य बातें...

■ दार्जिलिंग समेत उत्तर बंगाल का एक बड़ा हिस्सा चाय उत्पादक क्षेत्र है। आपकी चाय का स्वाद मुझसे बेहतर कौन जान सकता है, लेकिन TMC सरकार चाय बागानों को भी नष्ट कर रही है। देश में एक 'टुकड़े-टुकड़े गिरोह' सक्रिय है, जिसने सिलीगुड़ी कॉरिडोर को बंद करने की धमकी दी है।

■ असम आपके पड़ोस में है। वहां की भाजपा सरकार ने चाय बागान श्रमिकों के बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार पर काम किया गया है। श्रमिकों को भूमि पट्टे दिए जा रहे हैं। बंगाल में भी श्रमिक परिवारों को भूमि पट्टे दिए जाएंगे।

■ नॉर्थ बंगाल में TMC की राजनीति हमेशा डर पैदा करने की रही है। लोगों को भयभीत रखना और उनकी उपेक्षा करना यहां आम बात है। यहां राजनीतिक हिंसा होती है, लोगों को डराया-धमकाया जाता है। नेताओं की हत्या तक करवाई जाती है।

घोषणा : 28 अगस्त को खत्म होगी, 15 अप्रैल से रजिस्ट्रेशन शुरू होंगे

अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से, 57 दिन चलेगी

तमसा संकेत, एजेंसी

श्रीनगर। अमरनाथ यात्रा की तारीखों का ऐलान कर दिया गया है। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को बताया कि इस साल यात्रा 3 जुलाई से 28 अगस्त तक चलेगी। 57 दिन चलने वाली इस यात्रा के लिए जम्मू के भगवती नगर बेस कैम्प से पहला जत्था रवाना होगा। यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन 15 अप्रैल से शुरू होंगे। LG सिन्हा ने यात्रा की जानकारी देते हुए मीडिया को बताया कि 13 से 70 साल की उम्र वाले यह यात्रा कर सकते हैं। गुफा में पहली पूजा 19 जून को ज्येष्ठ पूर्णिमा पर की जाएगी। यात्रा के लिए अनंतनाग से पारंपरिक 48 किमी लंबा नुनवान-पहलगाम रूट और गांदरबल से 14 किमी लंबा बालटाल रूट खुला रहेगा। LG सिन्हा ने बताया कि देशभर में लगभग 556 तय बैंक शाखाओं के जरिए यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन कराया जा सकता है, जबकि श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट के जरिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन भी होगा। रजिस्ट्रेशन के लिए यस बैंक, ICICI बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और एक्सिस बैंक की ब्रांचेस में यात्रा के रजिस्ट्रेशन फॉर्म उपलब्ध रहेंगे।

>> (शेष पेज 06 पर)

यात्रा में इस बार क्या-क्या नया ...

- मनोज सिन्हा के मुताबिक पिछले सालों की तुलना में व्यवस्थाओं में 25% की वृद्धि की गई है। ट्रैकिंग और सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए RFID कार्ड की शुरुआत की गई है।
- तीर्थयात्रियों के लिए ग्रुप एक्सीडेंटल इंश्योरेंस कवर को दोगुना करके 5 लाख से 10 लाख कर दिया गया है।
- यात्रा के दौरान इस्तेमाल होने वाले टट्टुओं (पोनीज) की मौत होने पर 50,000 का मुआवजा दिया जाएगा।

पीस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अय्यूब ने सरकार की नीतियों पर उठाए सवाल

कार्यकर्ताओं ने फूल मालाओं से किया स्वागत

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। हंसवर क्षेत्र के भुलेपुर बाजार में रविवार को पीस पार्टी की ओर से सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अय्यूब मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उनके पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने फूल मालाओं से स्वागत किया। मंच पर प्रदेश अध्यक्ष अरविंद कुमार और मीनू सिंह सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में क्षेत्र के कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों की भागीदारी रही। सम्मेलन के दौरान कार्यकर्ताओं में उत्साह देखा गया। कार्यक्रम में पार्टी की नीतियों और संगठन को मजबूत करने पर भी चर्चा हुई।नेताओं ने कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत करने और ज्यादा लोगों तक पहुंच बनाने की बात कही। कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। सम्मेलन के दौरान नेताओं ने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे अधिक से अधिक लोगों तक पार्टी की नीतियों और विचारों को पहुंचाएं। साथ ही संगठन को मजबूत बनाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने की बात कही।

पूरे कार्यक्रम के दौरान अनुशासन और सौहार्द का माहौल बना रहा। कार्यकर्ताओं में जोश और उत्साह साफ नजर आया। सम्मेलन का समापन शांतिपूर्ण ढंग से हुआ, जहां नेताओं ने भविष्य की रणनीति और संगठन विस्तार को लेकर संकेत दिए। सम्मेलन को संबोधित करते हुए डॉ. अय्यूब ने सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि वर्तमान नीतियों का असर आम लोगों पर पड़ रहा है। उन्होंने दावा किया कि यदि उनकी पार्टी की सरकार बनती है तो कई फैसलों में बदलाव किया जाएगा।

श्रद्धांजलि के साथ रक्तदान, चिकित्सा शिविर, एआई कॉन्फ्रेंस और जनकल्याण कार्यक्रम, हजारों लोगों ने भंडारे में लिया प्रसाद

डॉ. अखिलेश दास गुप्ता की 9वीं पुण्यतिथि पर बीबीडीयू में 'अखिल ज्योत' कार्यक्रम

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। डॉ. अखिलेश दास गुप्ता की 9वीं पुण्यतिथि के अवसर पर बीबीडी यूनिवर्सिटी में 'अखिल ज्योत' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई, जिसमें बड़ी संख्या में शिक्षाविद, छात्र-छात्राएं और गणमान्य लोग शामिल हुए। इस अवसर पर बीबीडी एजुकेशनल ग्रुप की चेयरपर्सन अलका दास गुप्ता, ग्रुप के प्रेसिडेंट विराज सागर दास, वाइस प्रेसिडेंट सोनाक्षी दास और देवांशी दास समेत विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो-वाइस चांसलर, रजिस्ट्रार, डीन, फैकल्टी और छात्र-छात्राओं ने भावभीनी श्रद्धांजलि दी। बीबीडी कैंपस के ऑडिटोरियम में 'इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन एआई इन डिजिटल

ग्रोथ' का आयोजन भी हुआ। इस दौरान डॉ. निश्चल कुमार वर्मा ने मुख्य वक्ता के रूप में एआई के उपयोग और इसके सुरक्षित प्रयोग पर प्रकाश डाला। वहीं डॉ. जगदीश चंद बंसल ने ड्रोन स्वार्म टेक्नोलॉजी और उसमें एआई की भूमिका पर विस्तृत जानकारी दी। पैनल चर्चा में विशेषज्ञों ने एआई के विभिन्न आयामों और उसके भविष्य पर चर्चा करते हुए लोगों को जागरूक किया। कार्यक्रम के तहत विभिन्न स्थानों पर निःशुल्क चिकित्सा शिविर, दंत परामर्श, आंखों की जांच और चश्मा वितरण जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए।

सामाजिक सेवा और जागरूकता कार्यक्रमों की श्रृंखला

- पुण्यतिथि के अवसर पर विभिन्न सामाजिक और जनकल्याण गतिविधियों का आयोजन किया गया।
- एनसीसी कैडेट्स द्वारा क्लॉथ डोनेशन बैंक के माध्यम से जरूरतमंदों को कपड़े वितरित किए गए।
- एनएसएस के छात्रों द्वारा रक्तदान शिविर आयोजित किया गया, जिसमें करीब 100 लोगों ने रक्तदान किया।
- उत्तरधौंना गांव में लीगल अवेयरनेस, साइबर फ्रॉड जागरूकता और महिला सशक्तिकरण पर कार्यक्रम आयोजित किए गए।

इसके अलावा 'ग्रीन एन्थेम डोनेशन ड्राइव' के तहत गरीबों को गेहूं, चावल, दाल, रिफाइंड और अन्य जरूरी सामान वितरित किया गया।

बीबीडी कैंपस, टाइम्स स्क्वायर, कॉरपोरेट ऑफिस और यूपी बैडमिंटन एकेडमी समेत कई स्थानों पर भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। डॉ. अखिलेश दास गुप्ता के सामाजिक, शैक्षिक और खेल क्षेत्र में योगदान को याद करते हुए वक्ताओं ने कहा कि उनका जीवन समाज सेवा और शिक्षा के प्रति समर्पण का उदाहरण है।

युवक ने पत्नी को लात-घूंसों से पीटा

साले के पैर पर ट्रैक्टर चढ़ाई, सीने में दांत से काटा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। मोहनलालगंज क्षेत्र में घरेलू विवाद में युवक ने पत्नी के साथ मारपीट की। साले पर भी जानलेवा हमला किया, जिससे उसका पैर फ्रैक्चर हो गया। युवक की सास ने मामले में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस मुकदमा दर्ज करके मामले की जांच कर रही है। रायभान खेड़ा गांव निवासी प्रेमा ने बताया उनकी बेटी दीपाली की शादी करीब 4 साल पहले छिबऊ खेड़ा मजरा मऊ निवासी महाबली के साथ हुई थी। शादी के बाद से ही दीपाली ससुराल में रह रही थी। आरोप है कि 4 अप्रैल को दीपाली ने फोन कर बताया कि उसके पति ने उसके साथ लात-घूंसों से मारपीट की। गला दबाने का प्रयास

किया। सूचना मिलने पर वह अपने बेटे के साथ बेटी की ससुराल पहुंचीं। वहां पहुंचते ही महाबली ने उनके बेटे पर लाठी से हमला कर दिया। सीने में दांत से काट लिया, जिससे खून बहने लगा। इस दौरान महाबली का भाई देवसरन ट्रैक्टर लेकर मौके पर पहुंचा। पीड़ित महिला के अनुसार, महाबली उनके बेटे को पीटते हुए ट्रैक्टर की तरफ ले गया, जिससे वह गिर पड़ा और ट्रैक्टर का पहिया उसके पैर पर चढ़ गया। उसका पैर टूट गया।

फास्ट न्यूज

जेद्दा जाने वाले 54-यात्रियों को विमान से उतारा

लखनऊ। सऊदी एयर-लाइंस की जेद्दा जाने वाली फ्लाइट SV-893 से 54 यात्रियों को लखनऊ एयरपोर्ट पर ही उतार दिया गया। एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार, ये सभी यात्री लखनऊ से जेद्दा जाते। वहां से दुबई कनेक्टिंग फ्लाइट SV-588 से जाना था। लेकिन, कनेक्टिंग फ्लाइट को अचानक रद्द कर दिया गया इस वजह से यात्रियों के टिकट रद्द कर दिए गए।

कब्र से निकाला महिला का शव

लखनऊ। लखनऊ में पुलिस ने एक महिला का शव कब्र से निकाला। प्रेम-प्रसंग में उसकी बहू ने ही अपने प्रेमी (भांजे) के साथ मिलकर उसको जहर देकर मार डाला। घटना 5 अप्रैल की है। मृतका की पहचान मोहन रोड स्थित इब्राहिमगंज गांव की रहने वाली शांति देवी के रूप में हुई है। बेटे मनोज रावत ने पत्नी शालिनी और भांजे करन के खिलाफ 10 अप्रैल को एफआईआर कराई थी। पुलिस ने आरोपी महिला से पूछताछ की तो उसने हत्या की बात कबूल कर ली है। उसने ससुर और पति को भी मारने का प्लान बनाया था।

आईपीएल मैच के चलते बदला रहेगा ट्रैफिक

लखनऊ। लखनऊ में भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में आज दोपहर 3:30 बजे से आईपीएल मैच खेला जाएगा। इसको लेकर यातायात पुलिस ट्रैफिक प्लान जारी किया है। दोपहर 12 बजे से मैच खत्म होने तक शहर के कई प्रमुख मार्गों पर डायवर्जन और प्रतिबंध लागू रहेंगे। मैच के दौरान शहीद पथ पर रोडवेज, प्राइवेट बसों और अन्य व्यवसायिक वाहनों की आवाजाही पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी।

बिना पिलर के बना म्यूजियम

हेरिटेज एंड आर्ट में दिखेगी अवध की तहजीब, इतने रुपए का होगा टिकट

- म्यूजियम का ज्यादातर हिस्सा बिना किसी पिलर के सहारे के है।
- म्यूजियम के अंदर वीआर गेमिंग एरीना भी बनाया गया है।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के हुसैनाबाद इलाके में बना 'म्यूजियम ऑफ हेरिटेज एंड आर्ट' अब पूरी तरह तैयार है। करीब 4,973 वर्गमीटर क्षेत्रफल में बने इस म्यूजियम की सबसे बड़ी खासियत इसकी अनोखी संरचना है। यह प्रदेश की पहली ऐसी इमारत है, जिसमें 45 मीटर लंबा कैंटीलीवर बिना किसी कॉलम या पिलर के तैयार किया गया है। आकर्षक डिजाइन इसे शहर की नई आइकॉनिक पहचान बना रही है। म्यूजियम सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक खुला रहेगा। बच्चों के लिए 50 रुपए और वयस्कों के लिए 100

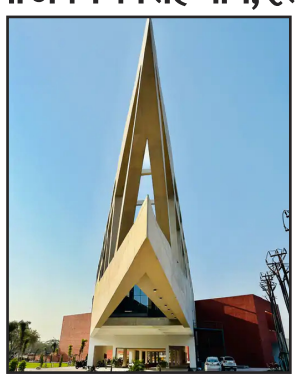

रुपए प्रवेश शुल्क तय किया गया है। म्यूजियम में अवध की संस्कृति, इतिहास और कला को आधुनिक तकनीक के जरिये प्रस्तुत किया गया है। यहां मूल धारा हुनर का सफर गंगा-जमुनी तहजीब' और 'जायका-ए-अवध' जैसी थीम आधारित गैलरियां विकसित की गई हैं। खास बात यह है कि विजिटर्स को इतिहास से जोड़ने के लिए वीआर गेमिंग एरीना भी बनाया गया है, जिससे लोग अतीत को नए तरीके से अनुभव कर सकेंगे। यह म्यूजियम न सिर्फ शहर की सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करेगा, बल्कि पर्यटन को भी नया आयाम देगा। यहां आने वाले लोग अवध की शिल्पकला, साहित्य और परंपराओं को करीब से समझ सकेंगे। इससे स्थानीय कारीगरों और हस्तशिल्प को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। यह म्यूजियम न केवल शहर की सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करेगा, बल्कि पर्यटन को भी नया आयाम देगा। यहां आने वाले लोग अवध की शिल्पकला, साहित्य और परंपराओं को करीब से समझ सकेंगे। इसके साथ ही स्थानीय कारीगरों और हस्तशिल्प को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, जिससे क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। 'म्यूजियम ऑफ हेरिटेज एंड आर्ट' आने वाले समय में लखनऊ के प्रमुख आकर्षणों में शामिल हो सकता है और देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों के लिए खास केंद्र बन सकता है।

आशा भोसले के निधन पर प्रदेश सरकार के मंत्रियों ने जताया गहरा शोक

लखनऊ। प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग मंत्री राकेश सचान, उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय, व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल, बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह तथा उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने भारतीय संगीत जगत की स्वर-सम्राज्ञी आशा भोसले के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। मंत्रियों ने अपने संयुक्त शोक संदेश में कहा कि आशा भोसले जी का निधन अत्यंत दुःखद है और यह कला जगत की अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा कि उनकी अद्वितीय गायकी ने भारतीय संगीत को नई ऊंचाइयां प्रदान कीं और उनके मधुर स्वर सदैव देशवासियों के मन में गूंजते रहेंगे। मंत्रियों ने कहा कि आशा भोसले जी ने अपने दीर्घ संगीत जीवन में भारतीय संगीत को समृद्ध किया और अपनी विशिष्ट शैली से करोड़ों लोगों के दिलों में स्थान बनाया।

शिक्षकों की हर समस्या का होगा समुचित समाधान: केशव प्रसाद मौर्य

यूटा के प्रांतीय अधिवेशन में शिक्षकों के योगदान को मिला सम्मान

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षकों की हर समस्या के समाधान के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। शिक्षक और विद्यालय सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल हैं।उप मुख्यमंत्री रविवार को आगरा के फतेहाबाद रोड स्थित राजदेवम् ऑडिटोरियम में आयोजित यूनाइटेड टीचर्स एसोसिए-शन (यूटा) के दो दिवसीय प्रांतीय अधिवेशन में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज सरकारी विद्यालय संसाधनों, सुविधाओं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के मामले में महंगे निजी एवं कॉन्वेंट स्कूलों को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन हमारे समर्पित शिक्षकों के परिश्रम और नवाचारपूर्ण शिक्षण

पद्धतियों का परिणाम है। उन्होंने शिक्षकों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि विपरीत परिस्थितियों में भी शिक्षक समाज निर्माण का महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं। उप मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न शैक्षिक योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार, डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा, छात्र-छात्राओं के समग्र विकास एवं शिक्षकों के सशक्तिकरण के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है। उन्होंने शिक्षकों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं के समाधान के लिए सरकार संवेदनशील एवं तत्पर है।कार्यक्रम में उन्होंने यूटा के नव निर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए संगठन की सक्रिय भूमिका की सराहना की। अधिवेशन मे विभिन्न वक्ताओं ने अपने संबोधन में शिक्षकों की प्रतिबद्धता की प्रशंसा करते हुए कहा कि शिक्षक विपरीत परिस्थितियों में भी शिक्षा की अलख जगा रहे हैं, जो समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। कार्यक्रम के दौरान यूटा के प्रदेश अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह राठौर ने उप मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए संगठन की गतिविधियों एवं शिक्षकों की समस्याओं पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर विधान परिषद सदस्य श्री विजय शिवहरे, शिक्षक विधायक डॉ. मानवेन्द्र प्रताप सिंह, विधायक श्री भगवान सिंह कुशवाहा, डॉ. जी. एस. धर्मेश श्री प्रशांत पोनिया, श्री राजकुमार गुप्ता,सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे।

कन्नौज हादसे पर अखिलेश यादव ने जताया दुख

ओवरलोड ट्रक पलटने से कई की मौत, सपा ने 1-1 लाख की मदद का ऐलान

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ/कन्नौज। अखिलेश यादव ने कन्नौज में कोयला लदे ओवरलोड और अनियंत्रित ट्रक के दुकान पर पलटने से हुई दर्दनाक घटना पर गहरा दुख जताया है। इस हादसे में कई लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने मृतकों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की। साथ ही उन्होंने घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। इस हादसे के बाद समाजवादी पार्टी ने मृतकों के परिजनों को 1-1 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। अखिलेश यादव ने राज्य सरकार से मांग की है कि इस हादसे में जान गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के परिजनों को 10-10 लाख रुपये का मुआवजा

दिया जाए। घटना के बाद एक बार फिर सड़कों पर ओवरलोड वाहनों की समस्या और प्रशासनिक लापरवाही पर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में ओवरलोड ट्रकों की आवाजाही आम बात है, जिससे इस तरह के हादसों का खतरा लगातार बना रहता है। इस दर्दनाक हादसे के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग भी तेज हो गई है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते ओवरलोडिंग पर नियंत्रण किया जाता, तो इस तरह की घटना को टाला जा सकता था।

निकाह में बवाल, जमकर चले ईंट-पत्थर, कई के सिर फूटे

लखनऊ में डीजे में डांस पर भिड़े घराती और बराती

तमसा संकेत, एजेंसी

बख्शी का तालाब। लखनऊ में निकाह के दौरान बवाल हो गया। घराती और बराती आपस में भिड़ गए। डीजे में डांस को लेकर दो लड़कों के बीच शुरू हुआ विवाद धीरे-धीरे मारपीट में बदल गया। दोनों पक्षों में जमकर ईंट-पत्थर भी चलने लगे। मामला महिंगवां इलाके के सरसवां गांव का शनिवार दोपहर 2 बजे का है। यहां रोजान अली की बेटी गोसिया की बारात बाराबंकी से आई थी। उसका निकाह फतेहपुर थाना क्षेत्र के नइयाबाद के मोहम्मद नसीम के बेटे रेहान से तय था। बारात में कुछ बाराती डांस कर रहे थे। कुछ समय बाद लड़की पक्ष के भी कुछ लड़के डांस करने लगे।

इसी दौरान डांस कर रहे दोनों पक्षों के लड़कों में धक्का-मुक्की हो गई। उसके बाद विवाद बढ़ गया। स्थिति इतनी बिगड़ गई कि बारातियों ने निकाह से इन्कार कर दिया। कई बाराती बिना खाना खाए ही लौटने लगे थे। विवाद की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। उपनिरीक्षक ने दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर शांत कराया। काफी देर तक चली बातचीत और पुलिस के हस्तक्षेप के बाद मामला सुलझा। पुलिस ने देररात निकाह कराया।

11 लाख रुपए की साइबर ठगी

एफआईआर के लिए कोर्ट पहुंचा पीड़ित

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में साइबर ठगों ने एक व्यक्ति के बैंक खाते से 11.05 लाख रुपए निकाल लिए। पीड़ित ने बैंक पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए पुलिस में कार्रवाई न होने पर कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। कोर्ट के आदेश पर जानकीपुरम थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया गया। पीड़ित कुमार विक्रम के मुताबिक, 20 जून 2024 को दोपहर 2:18 बजे उनके मोबाइल पर 5 लाख रुपए ट्रांसफर का मैसेज आया। यह ट्रांजेक्शन उन्होंने नहीं किया था। कस्टमर केयर से संपर्क करने पर पता चला कि एक दिन पहले यानी 19 जून को ही 3.50 लाख, 1.50 लाख और 5 हजार रुपए निकाले

जा चुके थे। इसके अलावा 20 जून को 5 लाख और शाम तक 6 लाख रुपए और ट्रांसफर हो गए। कुल मिलाकर 11.05 लाख रुपए खाते से साफ हो गए। पीड़ित का आरोप है कि सूचना देने के बावजूद बैंक ने तुरंत कोई कार्रवाई नहीं की और 24 घंटे इंतजार करने को कहा। बाद में खाते की सेवाएं बंद कराई गईं। उनका कहना है कि बिना OTP या अलर्ट के इतनी बड़ी रकम निकलना बैंकिंग सुरक्षा पर सवाल खड़ा करता है।

आंदोलन : जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन कर पूर्व नियुक्त शिक्षकों को राहत की मांग, कई संगठनों का महासंघ हुआ एकजुट

टीईटी अनिवार्यता के विरोध में शिक्षकों का आंदोलन तेज

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। टीईटी अनिवार्यता के विरोध में शिक्षक संगठनों ने आंदोलन तेज कर दिया है। अखिल भारतीय संयुक्त शिक्षक महासंघ के आह्वान पर 13 अप्रैल को प्रदेश भर के जिला मुख्यालयों पर मशाल जुलूस निकाला जाएगा। इस आंदोलन के जरिए शिक्षक संगठन आरटीई एक्ट लागू होने से पहले नियुक्त शिक्षकों को राहत देने और टीईटी की अनिवार्यता समाप्त करने की मांग करेंगे। इस मुद्दे पर कई शिक्षक संगठनों ने एकजुट होकर महासंघ का गठन किया है। महासंघ के राष्ट्रीय संयोजक सुशील कुमार पाण्डेय और अटेवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार बंधु ने कहा कि पहले से नियुक्त शिक्षकों पर नई शर्तें लागू करना न्यायसंगत नहीं है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि

टीईटी की अनिवार्यता को समाप्त किया जाना चाहिए। उन्होंने सभी शिक्षकों से मशाल जुलूस में शामिल होकर सरकार का ध्यान आकर्षित करने की अपील की। इस आंदोलन को अंतर्जनपदीय शिक्षक बेसिक एसोसिएशन, पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ, एससीएसटी शिक्षक संघ, प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक बेसिक एसोसिएशन, बेसिक शिक्षक एसोसिए-शन, माध्यमिक शिक्षक संघ, भारतीय किसान यूनियन शिक्षक प्रकोष्ठ,

'न्याय के लिए सड़क से अदालत तक लड़ाई'

मुख्य विधिक प्रभारी एवं टीएससीटी के संस्थापक विवेकानन्द ने कहा कि शिक्षक अपने अधिकारों के लिए हर स्तर पर संघर्ष करेंगे। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई मशाल जुलूस से लेकर न्यायालय तक जारी रहेगी जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष संजय मणि त्रिपाठी और विशिष्ट बीटीसी शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष संतोष तिवारी ने कहा कि 13 अप्रैल का दिन शिक्षकों के लिए अहम है।

यूटा और महिला शिक्षक मोर्चा समेत कई संगठनों का समर्थन मिला है। इस आंदोलन को अंतर्जनपदीय शिक्षक बेसिक एसोसिएशन, पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ, एससीएसटी शिक्षक संघ, प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक बेसिक एसोसिएशन, बेसिक शिक्षक एसोसिएशन, माध्यमिक शिक्षक संघ, भारतीय किसान यूनियन शिक्षक प्रकोष्ठ, यूटा और महिला शिक्षक मोर्चा समेत कई संगठनों का समर्थन मिला है।सभी संगठनों के पदाधिकारियों ने एकजुट होकर आंदोलन को सफल बनाने और शिक्षकों के अधिकारों के लिए आवाज बुलंद करने का आह्वान किया है।सभी संगठनों के पदाधिकारियों ने एकजुट होकर आंदोलन को सफल बनाने और शिक्षकों के अधिकारों के लिए आवाज बुलंद करने का आह्वान किया है। शिक्षक संगठनों का कहना है कि लंबे समय से उनकी मांगों पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है, ऐसे में अब आंदोलन के जरिए सरकार पर दबाव बनाया जाएगा, ताकि टीईटी अनिवार्यता के मुद्दे का समाधान निकाला जा सके।

किसानों की उपेक्षा कर रही भाजपा सरकार : अखिलेश

ओलावृष्टि और बारिश से फसल बर्बाद, मुआवजे में देरी का आरोप

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने प्रदेश में असमय बारिश, आंधी और ओलावृष्टि से किसानों को हुए भारी नुकसान को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि मौसम की मार से प्रदेश के पूरब से पश्चिम तक किसानों की गेहूं, सरसों और अन्य फसलें बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। कई जिलों में फसलें गिरकर बर्बाद हो गईं, जबकि बड़ी मात्रा में गेहूं भीग जाने से किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। अखिलेश यादव ने मैनपुरी, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर, हाथरस, अयोध्या, मेरठ, पीलीभीत, मथुरा, हरदोई, सोनभद्र और श्रावस्ती समेत कई जिलों का

जिक्र करते हुए कहा कि इन क्षेत्रों में किसानों की फसलें बड़े पैमाने पर खराब हुई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि फसल बर्बादी के बावजूद सरकार की ओर से अभी तक किसानों को कोई ठोस राहत या मुआवजा नहीं दिया गया है। सपा प्रमुख ने कहा कि मुख्यमंत्री और मंत्री सिर्फ हवाई सर्वेक्षण और घोषणाएं कर रहे हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर किसानों को कोई सहायता नहीं मिल रही है। उनका कहना है कि फसल बर्बाद होने के कारण किसान दाने-दाने के लिए परेशान हैं और निराशा की स्थिति में हैं। बढ़ती लागत और मौसम की मार ने किसानों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि सरकार किसानों के गेहूं की खरीद सही तरीके से नहीं कर रही है और उन्हें फसलों की उचित कीमत भी नहीं मिल रही है। उन्होंने आलू किसानों का जिक्र करते हुए कहा कि उन्हें भी उनकी उपज का सही मूल्य नहीं मिला, जिससे उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ा। सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार ने मंडियों की व्यवस्था को कमजोर कर दिया है, जबकि समाजवादी सरकार के समय किसानों के लिए नई मंडियों का निर्माण कराया जा रहा था।

बैकयार्ड कुक्कुट पालन योजना से 200 महिलाओं को मिला रोजगार का मौका

चूजे, राशन और प्रशिक्षण से बढ़े आत्मनिर्भरता के कदम

योजना

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर में पशुपालन विभाग की ओर से बैकयार्ड कुक्कुट पालन योजना के तहत 200 महिलाओं को रोजगार से जोड़ने की पहल की गई है। योजना के अंतर्गत अनुसूचित जाति वर्ग की महिलाओं को 50-50 चूजे, एक बोरी राशन और जरूरी दवाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं। यह वितरण जिले के सभी विकासखंडों में किया गया। योजना का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ना और उनकी आय बढ़ाना है। मुर्गी पालन के जरिए महिलाएं अंडों का उत्पादन कर बाजार में बेच सकती हैं। जरूरत पड़ने पर मुर्गियों की बिक्री से अतिरिक्त आय भी प्राप्त की जा सकती है। इससे परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत होने की उम्मीद है।

विभाग ने बताया कि इच्छुक व्यक्ति कुक्कुट विकास नीति 2022 के तहत 10 हजार, 20 हजार या 30 हजार पक्षियों की क्षमता वाले कमर्शियल लेयर फार्म स्थापित कर सकते हैं। इसके लिए कम से कम एक एकड़ जमीन जरूरी है।

प्रशिक्षण से बढ़ेगा कार्य का दायरा

पशुपालन विभाग ने सभी लाभार्थियों को कुक्कुट पालन का प्रशिक्षण भी दिया है। प्रशिक्षण में चूजों की देखभाल, दवा का उपयोग, पोषण और बाजार प्रबंधन की जानकारी दी गई। विभाग का कहना है कि इससे महिलाएं भविष्य में बड़े स्तर पर इस कार्य को अपना सकती हैं और इसे व्यवसाय के रूप में विकसित कर सकती हैं। जिले में कुक्कुट पालन को बढ़ावा देने के लिए विभाग लगातार योजनाएं चला रहा है। अधिकारियों के अनुसार, यह योजना न केवल रोजगार उपलब्ध करा रही है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में आय के नए स्रोत भी बना रही है।

अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध

योजना के अंतर्गत बिजली बिल में अधिभार पर छूट और भूमि रजिस्ट्री पर स्टांप ड्यूटी में छूट दी जा रही है। विभाग ने इच्छुक लोगों से अपील की है कि वे कार्यालय समय में संपर्क कर योजना का लाभ लें।

जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला ने कहा कि सरकार की यह योजना ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में प्रभावी कदम है।

उन्होंने बताया कि इससे महिलाओं को घर के पास ही रोजगार मिल रहा है और उनकी आय में वृद्धि हो रही है।

उन्होंने लोगों से कुक्कुट पालन को अपनाने और योजना का लाभ उठाने की अपील की।

बैंक ऋण और ब्याज में राहत

योजना के तहत कुल लागत का 30 प्रतिशत लाभार्थी को स्वयं लगाना होगा। शेष 70 प्रतिशत राशि बैंक ऋण के रूप में उपलब्ध होगी। साथ ही 5 वर्षों तक 7 प्रतिशत ब्याज प्रतिपूर्ति की सुविधा दी जाएगी। इससे बड़े स्तर पर कुक्कुट पालन शुरू करना आसान होगा। अधिकारियों के अनुसार, यह योजना न केवल रोजगार उपलब्ध करा रही है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में आय के नए स्रोत भी बना रही है।

अकबरपुर से गोरखपुर के लिए दो नई रोडवेज बसें शुरू

रविवार से मिलेगा सीधा सफर, यात्रियों को बड़ी राहत

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर में परिवहन निगम ने यात्रियों की सुविधा बढ़ाते हुए अकबरपुर से गोरखपुर रूट पर दो नई बस सेवाएं शुरू करने का निर्णय लिया है। इन बसों का संचालन रविवार से शुरू होगा। नई सेवा से लंबे समय से यात्रा की समस्या झेल रहे लोगों को राहत मिलेगी। अकबरपुर से गोरखपुर के लिए सीधी ट्रेन सेवा नहीं है। इसके कारण यात्रियों को काफी परेशानी होती थी। नई बस सेवा शुरू होने से अब यात्रियों को सीधा और आसान सफर मिल सकेगा। इससे समय की बचत भी होगी। फिलहाल अकबरपुर और राजेसुल्तानपुर से गोरखपुर के लिए एक-एक बस संचालित हो रही थी। अब दो अतिरिक्त बसें शुरू होने से कुल सेवाएं बढ़ जाएंगी। अकबरपुर डिपो से वर्तमान में 116 रोडवेज बसों का संचालन किया जा रहा है, जो कई प्रमुख शहरों से जुड़ी हैं। पहली बस सुबह 7 बजे अकबरपुर से रवाना होगी। यह बस बसखारी, न्योरी और अतरौलिया होते हुए गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे के जरिए नौसड़ बस स्टेशन सुबह 11 बजे पहुंचेगी। इसके बाद दोपहर 12 बजे वापसी में चलकर शाम 4 बजे अकबरपुर पहुंचेगी। दूसरी बस सुबह 11 बजे अकबरपुर से चलेगी और दोपहर 3 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। इस रूट की दूरी करीब 186 किलोमीटर है, जिसे बस लगभग 4 घंटे में तय करेगी। इस रूट पर बस सेवा कम होने के कारण अवैध वाहन संचालक सक्रिय थे। वे यात्रियों से अधिक किराया वसूल रहे थे।

फास्ट न्यूज

महामाया मेडिकल कॉलेज में ई-ऑफिस लागू

अम्बेडकरनगर। महामाया राजकीय एलोपैथिक मेडिकल कॉलेज सद्दरपुर ने प्रशासनिक व्यवस्था में बड़ा बदलाव करते हुए ई-ऑफिस प्रणाली लागू कर दी है। इसके शुरू होने से अब फाइलों का निस्तारण तेज, पारदर्शी और व्यवस्थित तरीके से होगा। कॉलेज प्रशासन के अनुसार, ई-ऑफिस के जरिए सभी विभागों के काम ऑनलाइन होंगे।

भारतीय योग संस्थान का 60वां स्थापना दिवस

अंबेडकरनगर। अकबरपुर स्थित राजकीय उद्यान केंद्र में रविवार सुबह भारतीय योग संस्थान के 60वें स्थापना दिवस के अवसर पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह आयोजन सुबह 5:00 बजे से 6:45 बजे तक चला, जिसमें बड़ी संख्या में योग साधकों और स्थानीय लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन संतोष सिंह ने किया। शुरुआत अंकिता श्रीवास्तव के भजन से हुई, जिससे माहौल शांत और आध्यात्मिक बना। इसके बाद रामकेदार वर्मा ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया।

पीसीएस चयनित अभ्यर्थियों का सम्मान

अंबेडकरनगर। जलालपुर विधानसभा क्षेत्र के ताहापुर मालीपुर स्थित श्याम लाल वर्मा स्मारक इंटर कॉलेज में शनिवार को PCS परीक्षा में चयनित अभ्यर्थियों के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किया गया। समारोह में क्षेत्र के लोग, शिक्षक और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। कार्यक्रम का आयोजन कॉलेज के प्रबंधक केदारनाथ वर्मा और डायरेक्टर अमित वर्मा ने किया। दोनों ने चयनित अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

दो बाइकों की टक्कर में व्यक्ति की मौत, दो घायल

जहांगीरगंज थाना क्षेत्र के लिंक रोड पर देर रात हादसा

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर के जहांगीरगंज थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात बारीडीह सिकंदरपुर गांव के लिंक रोड पर दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर में बड़ा सड़क हादसा हो गया। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। तेज रफ्तार और नशे की आशंका में टक्कर जानकारी के अनुसार, एक बाइक तेज रफ्तार में आ रही थी और उसने दूसरी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। पुलिस के मुताबिक, टक्कर मारने वाली बाइक पर सवार युवकों के नशे में होने की आशंका जताई जा रही है। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों वाहन बुरी तरह

क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे में बारीडीह गांव निवासी 55 वर्षीय हरिमोहन यादव गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजन और स्थानीय लोग उन्हें तत्काल रामनगर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। दूसरी बाइक पर सवार सिकंदरपुर निवासी अमित (पुत्र रामस्वरूप) और हंसवर थाना क्षेत्र के हीरापुर निवासी अवधेश (पुत्र बाबूराम) गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। डॉक्टरों के अनुसार उनकी हालत स्थिर बनी हुई है।

देवरिया तबादले पर समारोह आयोजित, रविवार को हुआ विदाई कार्यक्रम

पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर. शंकर को दी गई विदाई

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर में रविवार को पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर. शंकर का विदाई समारोह आयोजित किया गया। उनका तबादला पुलिस अधीक्षक, देवरिया पद पर होने के बाद पुलिस विभाग की ओर से भावभीनी विदाई दी गई। समारोह में पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों और प्रशासनिक स्टाफ ने उन्हें शुभकामनाएं दीं और उनके कार्यकाल को सराहा। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने कहा कि उनके कार्यकाल में जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने और अपराध नियंत्रण पर विशेष ध्यान दिया गया। कई महत्वपूर्ण मामलों में पुलिस की सक्रिय भूमिका भी

रही।समारोह में उपस्थित अधिकारियों ने उनके साथ काम करने के अनुभव साझा किए। विदाई समारोह में एसपी अभिजीत आर. शंकर ने कहा कि अंबेडकरनगर में कार्यकाल उनके लिए यादगार रहा। उन्होंने कहा कि पुलिस टीम के सहयोग से कई चुनौतियों का समाधान संभव हो सका।उन्होंने कहा कि जिले के लोगों और पुलिस टीम से मिले सहयोग को वे हमेशा याद रखेंगे। उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। अभिजीत आर. शंकर को अब देवरिया जिले का पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया गया है। उनके स्थानांतरण के बाद जिले में नए एसपी ने कार्यभार संभाल लिया है। समारोह में मौजूद पुलिस अधिकारियों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के दौरान पूरे माहौल में सम्मान और सौहार्द का भाव देखने को मिला। उन्होंने जिले के लोगों और पुलिस टीम से मिले सहयोग के लिए आभार जताया और सभी को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।अब अभिजीत आर. शंकर देवरिया जिले में पुलिस अधीक्षक के रूप में नई जिम्मेदारी संभालेंगे। उनके स्थानांतरण के बाद जिले में नए एसपी ने कार्यभार ग्रहण कर लिया है। विदाई समारोह के दौरान पूरे माहौल में सम्मान, आत्मीयता और सौहार्द का भाव देखने को मिला। उपस्थित अधिकारियों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें नए कार्यभार के लिए शुभकामनाएं दीं।

भाजपा कार्यकर्ता प्रशिक्षण वर्ग सम्पन्न

संगठनात्मक मजबूती पर जोर, दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ समापन

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के तहत भाजपा के स्थगित मंडलों का दो दिवसीय कार्यकर्ता प्रशिक्षण वर्ग शनिवार को शुरू होकर रविवार को संपन्न हुआ। कार्यक्रम में संगठनात्मक संरचना और कार्य पद्धति पर विस्तार से चर्चा की गई। अकबरपुर विधानसभा क्षेत्र के अकबरपुर नगर मंडल में आयोजित प्रशिक्षण सत्र में कार्यकर्ताओं को संगठन की कार्यशैली और जिम्मेदारियों को लेकर जानकारी दी गई। प्रशिक्षण वर्ग में कई विषयों पर वक्ताओं ने कार्यकर्ताओं को जानकारी दी। पूर्व जिलाध्यक्ष यमुना प्रसाद चतुर्वेदी ने वैचारिक अधिष्ठान पर प्रकाश डाला। जिला महामंत्री बाबा राम शब्द यादव ने बूथ प्रबंधन की जानकारी दी। जिला मीडिया प्रभारी बाल्मीकि उपाध्याय ने भाजपा के इतिहास और विकास पर चर्चा की। जिला मंत्री विनय पांडेय ने कार्य

विस्तार पर जानकारी दी। आईटी जिला संयोजक मनीष मिश्र ने सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग पर प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम का संचालन अकबरपुर नगर मंडल अध्यक्ष गौरव श्रीवास्तव, सैदपुर मंडल अध्यक्ष पंकज प्रजापति और कुर्की मंडल अध्यक्ष शशि द्विवेदी की देखरेख में किया गया।

कार्य पद्धति और संगठन पर जिलाध्यक्ष का संबोधन

जिलाध्यक्ष त्र्यंबक तिवारी ने कहा कि हर संगठन एक लक्ष्य के साथ शुरू होता है। उस लक्ष्य को हासिल करने के लिए मजबूत कार्य पद्धति जरूरी होती है। उन्होंने कहा कि भाजपा की सफलता के पीछे उसकी विचारधारा, कार्यपद्धति और संगठनात्मक संरचना प्रमुख कारण हैं। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं के बीच आपसी सहयोग, आत्मीयता और समन्वय संगठन की मजबूती का आधार है। उन्होंने कहा कि भाजपा की कार्य पद्धति ही इसे अन्य संगठनों से अलग बनाती है।

सरकारी योजनाओं और संगठन विस्तार पर चर्चा

सैदपुर मंडल के समापन सत्र में पूर्व जिलाध्यक्ष कपिल देव वर्मा ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाएं बिना किसी भेदभाव पहुंच रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ सीधे पात्र लोगों तक पहुंच रहा है।

दो अलग-अलग जगहों पर गेहूं की फसल में आग

कोडरा गांव में एक बीघा फसल जली, दमकल ने पाया काबू

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर के अकबरपुर थाना क्षेत्र के कोडरा गांव में रविवार को अज्ञात कारणों से गेहूं के खेत में आग लग गई। आग की चपेट में आकर करीब एक बीघा गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और दमकल विभाग को सूचना दी। दमकल टीम ने स्थानीय लोगों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग की चपेट में आने से विजय प्रकाश यादव (ककरहवा), कैलाश निषाद (बदलपुर), विश्वनाथ (बदलपुर) और जयप्रकाश (कोडरा) सहित कई किसानों की फसल नष्ट हो गई।सूचना पर राजस्व विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची और नुकसान का आकलन शुरू किया। आग लगने के कारणों की जांच की

जा रही है। सम्मनपुर क्षेत्र में ढाई से तीन बीघा फसल जली, नशेड़ियों पर आरोप दूसरी घटना अंबेडकरनगर के सम्मनपुर थाना क्षेत्र के सुल्तानपुर तुलसीपुर गांव में हुई। रविवार दोपहर करीब 2 बजे यहां गेहूं के खेत में आग लगने से लगभग ढाई से तीन बीघा फसल जलकर राख हो गई।ग्रामीणों ने किसी तरह आग पर काबू पाया, हालांकि तब तक बड़ा नुकसान हो चुका था। फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर नहीं पहुंच सकी घटना की सूचना पर डायल 112 और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया।

युवक ने गला काटकर आत्महत्या का प्रयास, हालत गंभीर

अंबेडकरनगर के अकबरपुर थाना क्षेत्र के शहजादपुर पंडा टोला में शनिवार रात एक युवक ने आत्महत्या का प्रयास किया। युवक ने शराब के नशे में धारदार हथियार से अपने गले पर वार कर लिया। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। गंभीर रूप से घायल युवक को तुरंत जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने प्राथमिक इलाज के बाद हालत गंभीर देखते हुए उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। युवक की स्थिति अब भी नाजुक बनी हुई है। जानकारी के अनुसार शहजादपुर पंडा टोला निवासी रवि शनिवार देर रात नशे में था। इसी दौरान उसने अचानक धारदार हथियार से अपने गले पर वार कर लिया। वार के बाद वह खून से लथपथ हो गया। घटना के बाद आसपास के लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर बिना देरी किए घायल युवक को अस्पताल पहुंचाया।

बदलाव : घटनास्थल पर पहुंचकर शुरू की जांच, शनिवार शाम तबादला, रविवार सुबह संभाला कार्यभार

17 लाख लूट मामले में नवागत एसपी प्राची सिंह की त्वरित कार्रवाई

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर में पुलिस प्रशासन में बड़ा बदलाव हुआ। शनिवार शाम निवर्तमान पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर. शंकर का तबादला देवरिया जिले के लिए किया गया। इसके बाद प्राची सिंह को जिले का नया पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया गया नवागत एसपी प्राची सिंह ने रविवार सुबह ही कार्यभार ग्रहण किया और जिम्मेदारी संभालते ही अपराध नियंत्रण को प्राथमिकता में लिया। यह वारदात शनिवार सुबह की है, जब दो व्यापारियों से करीब 17 लाख रुपये की लूट की गई थी। पीड़ितों में जहांगीरगंज

थाना क्षेत्र के नेवारी दुराजपुर निवासी मोहम्मद रईस और हंसवर थाना क्षेत्र के मुण्डेरा गांव निवासी मोहम्मद जलाल शामिल हैं।वारदात पुलिस चौकी के नजदीक

कार्यभार संभालते ही घटनास्थल पर पहुंचीं एसपी

एसपी प्राची सिंह ने पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद 17 लाख रुपये की लूट के घटनास्थल का दौरा किया। उन्होंने मौके पर पहुंचकर पूरी स्थिति का बारीकी से निरीक्षण किया और घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जानकारी ली।उनके साथ क्षेत्राधिकारी प्रदीप सिंह और थाना प्रभारी संतोष सिंह मौजूद रहे।

होने से सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठे थे। नवागत एसपी प्राची सिंह की यह त्वरित कार्रवाई उनके तेज और निर्णायक नेतृत्व का संकेत मानी जा रही है। कार्यभार संभालते ही घटनास्थल पर पहुंचकर उन्होंने स्पष्ट संदेश दिया कि अपराध नियंत्रण और त्वरित कार्रवाई प्राथमिकता में रहेगी। इस कदम को पुलिस व्यवस्था में एक सकारात्मक शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है, जिससे आम लोगों और व्यापारियों में भरोसा बढ़ा है। एसपी ने मामले के खुलासे के लिए कई पुलिस टीमें गठित की हैं। एसपी ने घटनास्थल का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने आसपास के रास्तों, संभावित भागने के मार्गों और संदिग्ध गतिविधियों का अध्ययन किया।उन्होंने सीसीटीवी फुटेज खंगालने, तकनीकी साक्ष्य जुटाने और तत्काल जांच तेज करने के निर्देश दिए। साथ ही जिले में गश्त और निगरानी व्यवस्था मजबूत करने पर भी जोर दिया गया। इन टीमों को अलग-अलग एंगल से जांच कर आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस का कहना है कि जांच तेजी से आगे बढ़ रही है और जल्द ही पूरे मामले का खुलासा होने की संभावना है।

मौके पर पहुंचकर जांच, दिए सख्त निर्देश

एसपी ने घटनास्थल का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने आसपास के रास्तों, संभावित भागने के मार्गों और संदिग्ध गतिविधियों का अध्ययन किया।उन्होंने सीसीटीवी फुटेज खंगालने, तकनीकी साक्ष्य जुटाने और तत्काल जांच तेज करने के निर्देश दिए। साथ ही जिले में गश्त और निगरानी व्यवस्था मजबूत करने पर भी जोर दिया गया।

फर्जी दस्तावेज से संपत्ति हड़पने का आरोप, तीन पर धोखाधड़ी का केस

ग्राम सचिव समेत आरोपी पर पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर के हंसवर क्षेत्र में कूटरचित दस्तावेज तैयार कर संपत्ति हड़पने के मामले में पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है। जांच में शिकायत सही पाए जाने के बाद कार्रवाई की गई। केवटला स्थित जूनादास आश्रम के महंत हरिशंकर दास ने बताया कि आश्रम के महंत जंगीदास के दो शिष्य निहाल दास और बिरागी दास थे। बिरागी दास की 25 सितंबर 2024 को मृत्यु हो चुकी है। बताया गया कि बिरागी दास ने किसी को अपना शिष्य नहीं बनाया था। आरोप है कि संतकबीरनगर जिले के सकरौचा निवासी मनीष यादव ने कूटरचित दस्तावेज तैयार कर

खुद को बिरागी दास का शिष्य दिखाया। उसने मनीष दास नाम से पहचान बनाई और संपत्ति पर दावा करने की कोशिश की। आरोप के मुताबिक, पहले उसके नाम परिवार रजिस्टर में दर्ज नहीं था। मामले में बताया गया कि 9 दिसंबर 2023 को टांडा तहसील से सामान्य निवास प्रमाणपत्र बनवाया गया। इसके बाद आधार कार्ड में नाम, पिता का नाम और पता बदल दिया गया। नोटरी शपथपत्र और प्रार्थनापत्र के आधार पर नवंबर 2024 में परिवार रजिस्टर में नाम दर्ज कराया गया। शिकायत में कहा गया कि यह पूरा प्रयास बिरागी दास की करीब 22 बीघा संपत्ति पर कब्जा करने की नियत से किया गया। आरोप है कि तत्कालीन ग्राम सचिव अशोक राजभर ने बिना जांच के परिवार रजिस्टर में नाम दर्ज कर दिया। महंत हरिशंकर दास ने मामले की शिकायत पुलिस अधीक्षक से की थी। जांच के बाद पुलिस ने मनीष यादव, तत्कालीन ग्राम सचिव अशोक राजभर और एक अन्य के खिलाफ केस दर्ज किया है। थानाध्यक्ष अभिनेष कुमार ने बताया कि मामले में धोखाधड़ी और अन्य संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस पूरे प्रकरण की जांच कर रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सम्पादकीय

ज्ञानेश कुमार को गुस्सा क्यों आता है?

चुनाव आयोग की तृणमूल कांग्रेस को दो टूक। पश्चिम बंगाल में इस बार चुनाव भयरहित, हिंसारहित, धमकी रहित, प्रलोभन रहित, छापा रहित, बूथ और सोर्स जामिंग रहित होकर ही रहेंगे। पहले तो यह संदेह हुआ कि यह वाकई चुनाव आयोग ने लिखा है या किसी ने आयोग की छवि खराब करने के लिए इस तरह तृणमूल कांग्रेस का नाम लेकर दो टूक बात कही है। क्योंकि पहले चुनाव से लेकर अब तक कभी ऐसा नहीं हुआ जब चुनाव आयोग ने सीधे किसी दल का नाम लेकर उसके लिए इस भाषा में बयान दिया हो। विपक्ष और आयोग के बीच कई बार रस्साकशी हुई है। बीते कुछ सालों में यह तनाव ज्यादा बढ़ गया है। जिसमें विपक्ष बार-बार चुनाव आयोग पर पक्षपात का आरोप लगाता है और इस बार तो मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ संसद के दोनों सदनों में प्रस्ताव लाने की तैयारी भी विपक्ष ने कर ली थी, जो सफल नहीं हुई। लेकिन इन सबके बावजूद चुनाव आयोग में बैठे लोगों ने किसी एक दल का नाम लेकर ऐसी टिप्पणी नहीं की, जो अब की गई है। इसके बाद अब यही बचता है कि चुनाव आयोग विपक्ष के नेताओं का नाम लेकर उन्हें जवाब देने लगे। क्योंकि निष्पक्षता नाम की चिड़िया शायद डाल से उड़ चुकी है। यह पोस्ट चुनाव आयोग ने ही डाली है, इसमें कोई संदेह नहीं रह गया है, क्योंकि इसकी बाकायदा पृष्ठभूमि भी सामने आई है। दरअसल पश्चिम बंगाल में एसआईआर के बाद 90.66 लाख वोटरों के नाम हटाने के विरोध में टीएमसी का प्रतिनिधिमंडल बुधवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार से मिला। डेरेक ओ ब्रायन, सागरिका घोष, साकेत गोखले और मेनका गुरुस्वामी इस प्रतिनिधिमंडल में शामिल थे। टीएमसी के इस दल ने मुख्यतः दो बातों पर चुनाव आयोग से जवाब मांगा कि ममता बनर्जी ने अब तक नौ पत्र चुनाव आयोग को लिखे हैं, लेकिन लंबे समय से आयोग चुप बैठा है, पत्रों का जवाब नहीं दे रहा। और दूसरी शिकायत नंदीग्राम में मुख्य चुनाव अधिकारी और एक वरिष्ठ भाजपा नेता के बीच कथित सांठगांठ को लेकर थी। ये कोई ऐसी शिकायतें नहीं हैं, जिनका जवाब नहीं दिया जा सकता। लेकिन चार लोगों के साथ यह बैठक केवल सात मिनट ही चली। टीएमसी का आरोप है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ने उनकी बातें नहीं सुनी और सात मिनट की बातचीत के बाद उन्हें गेट आउट कहा। डेरेक ओब्रायन ने कहा, 'चुनाव आयोग ने हमें अपमानित किया और परिसर छोड़ने को कहा। फिर उन्होंने सोशल मीडिया पर झूठी जानकारी फैलाई। यह भाजपा की साजिश है। लोकतंत्र की आत्मा पर हमला है।' आपको बता दें कि चुनाव आयोग की उपरोक्त पोस्ट इस बैठक के बाद ही आई है। आयोग इस बात पर इठला रहा है कि उसने टीएमसी को दो टूक जवाब दे दिया, लेकिन क्या यह शर्मिन्दगी की बात नहीं होनी चाहिए कि एक राजनैतिक दल के सवालों का संतोषजनक जवाब देने की जगह यह ढिंढोरा पीटा जाए कि हमने दो टूक जवाब दे दिया। इसका एक अर्थ यह भी होता है कि चुनाव आयोग विपक्ष के सवालों का जवाब देने के लिए खुद को जिम्मेदार नहीं मानता है। राजनीति बुधवार की बैठक के बारे में टीएमसी के आरोपों पर निर्वाचन आयोग का कहना है कि टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने मीटिंग ने चिल्लाते हुए कहा कि हम यहां बात सुनने नहीं आए हैं। इसके बाद मीटिंग में माहौल गरमा गया और टीएमसी का प्रतिनिधिमंडल चला गया। हालांकि अब इस दल के सदस्यों ने निर्वाचन आयोग को चुनौती दी है कि वह इस बैठक की ट्रांसक्रिप्ट जारी करे। टीएमसी ने यह भी कहा है कि अगर आयोग इसे जारी नहीं करेगा तो हम इसे जारी करेंगे। अब बैठक किस वजह से पूरी नहीं हुई और किसने पहले आपा खोया, क्यों खोया? और क्या ऐसी तनातनी लोकतंत्र के लिए सही है? इन सारे सवालों के जवाब देश को दिए जाने चाहिए, इसकी पहल चुनाव आयोग से ही होना चाहिए। क्योंकि ऊंगलियां उसी पर उठी हैं। वैसे बैठक में बहस का एक और वाकया प.बंगाल के संदर्भ में ही पेश आया। जहां बुधवार को ही ज्ञानेश कुमार वर्चुअल मीटिंग ले रहे थे और सभी अधिकारियों से बारी-बारी से पूछ रहे थे कि उनके यहां कितने पोलिंग बूथ आदि हैं। जब यूपी कैडर के आईएएस अधिकारी और कूचबिहार के पर्यवेक्षक बनाए गए अनुराग यादव से यही सवाल हुआ तो उन्हें जवाब देने में थोड़ी देरी हुई। जिस पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कोई टिप्पणी कर दी। तो अनुराग यादव ने सख्त ऐतराज जताते हुए कहा कि आप हमसे इस तरह से बात नहीं कर सकते। हमने भी इस सेवा में 25 साल गुजारे हैं।

डॉ0 ओ0पी0 मिश्र

66

वैसे भ्रष्टाचार के मामले में निर्णय या अनुशंसा जल्द से जल्द आना चाहिए। लेकिन ऐसा नहीं किया गया और भ्रष्टाचार में भी हित, लाभ, हानि देखा गया ना की मेरिट। कितनी अजीब बात है कि सर्वोच्च न्यायालय ने कार्रवाई के लिए कार्यपालिका को सूचित किया और तब मामला विधायिका तक पहुंचा लेकिन विधायिका ने भी कोई तत्परता ना ही दिखाई।

तेरे कूचे से बेआबरू होकर निकले

जस्टिस यशवंत वर्मा ने अपने पद से इस्तीफा दे ही दिया। वैसे क्या ही अच्छा होता कि यदि आरोप लगाते ही या नोट के कथित बंडल बराबर होते ही वह अपने पद से इस्तीफा देकर एक मिसाल कायम करते। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया और इस्तीफे की घोषणा तब की जब उन पर महाभियोग चलाने की औपचारिकता पूरी हुई। ऐसे में तो यही कहा जा सकता है कि उन्होंने अंत समय तक अपने हाथ पांव मारे और जब बचने का कोई रास्ता नहीं दिखा तो उन्होंने इस्तीफा दिया। अब अगर इस्तीफा स्वीकार कर लिया जाता है तो उन्हें रिटायरमेंट के सारे लाभ मिलने लगेंगे जो महाभियोग के जरिए हटाए जाने पर नहीं मिलते। यानी यहां भी उन्होंने नैतिकता को प्राथमिकता देने के बजाय व्यक्तिगत लाभ पर फोकस किया । अब अगर उनका इस्तीफा स्वीकार हो जाता है जिसकी पूर्ण संभावना है तो उन्हें जजेज (सैलेरी एंड कमीशन सर्विस एक्ट) 1954 के तहत माना जाएगा। जानते चले की 14 मार्च 2025 को जस्टिस यशवंत वर्मा जो उस समय दिल्ली हाई कोर्ट के जज थे के दिल्ली स्थित सरकारी आवास के स्टोर में आग लगी थी । आग बुझाने के दौरान वहां से काफी कैश मिलने का दावा हुआ। इसकी जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने तीन जजों की इन हाउस कमेटी बनाई थी। जांच के दौरान जस्टिस वर्मा को इलाहाबाद हाई कोर्ट भेज दिया गया ।

4 मई को आयी रिपोर्ट में उन्हें प्रथम द्रष्टया जिम्मेदार माना गया । लेकिन उन्हें उन्होंने तब भी पद नहीं छोड़ा। इस्तीफा न देने पर मामला राष्ट्रपति प्रधानमंत्री तक गया और महाभियोग प्रक्रिया शुरू हुई। इसके बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने जस्टिस वर्मा को हटाने के लिए तीन सदस्यीय जांच समिति बनाई थी। लेकिन उस समय जांच को फेस करने के बजाय जस्टिस वर्मा ने जांच समिति बनाई जाने के विरुद्ध सुप्रीम कोर्ट की शरण ली। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने उनकी अपील खारिज की कर दी तब जाकर उन्होंने इस्तीफा दिया। ऐसे में तो यही कहा जाएगा कि जब उन्होंने देख लिया कि कोई रास्ता नहीं बचा तो उन्होंने इस्तीफा दिया। गांव की भाषा में इसे कहते हैं कि तेरे कूचे से बड़े आबरू होकर निकले।

इतिहास गवाह है कि देश में अभी तक हाई कोर्ट या सुप्रीम कोर्ट के किसी न्यायाधीश को महाभियोग के जरिए नहीं हटाया गया है । क्योंकि इस तरह की कारगुजारियों से न्यायपालिका की गरिमा तार तार होती है लोगों का

अदालतों और न्यायपालिका से विश्वास होता है तथा आम आदमी यह कहने को मजबूर हो जाता है कि न्यायपालिका में भी भ्रष्टाचार है।

हम सब जानते हैं कि न्यायपालिका जनता की उम्मीद का आखिरी दरवाजा है और अगर यह दरवाजा भी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया तो सब कुछ समाप्त हो जाएगा। वैसे भी पिछले कई वर्षों से सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के फैसले जिस तरह के आ रहे हैं ऐसे में लोगों का विश्वास डगमगाया है। वैसे क्या ही अच्छा होता कि जब आंतरिक रिपोर्ट जस्टिस वर्मा के पक्ष में नहीं आई थी तो उसी समय वे इस्तीफा देकर न केवल विशाल कायम कर सकते थे बल्कि न्यायपालिका पर उंगली उठने से भी बचा सकते थे।

लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया और ना ही अपने को बेदाग साबित करने का कोई प्रयास किया। उल्टे वे जज के रूप में प्राप्त विशेषाधिकारों का ही उपयोग करते रहे जो कि गलत था। वैसे हाई कोर्ट या सुप्रीम कोर्ट के जज को हटाना इतना आसान नहीं होता है । लेकिन मेरे विचार से अब वह समय आ गया है जब इन जजों को भी हटाए जाने की प्रक्रिया को सरल बनाया जाए। क्यों नहीं सर्वोच्च न्यायालय के पास भी इस बात का अधिकार हो कि वह शक की स्थिति में किसी भी न्यायाधीश को सेवा से अलग कर सके। वैसे भ्रष्टाचार के मामले में निर्णय या अनुशंसा जल्द से जल्द आना चाहिए। लेकिन ऐसा नहीं किया गया और भ्रष्टाचार में भी हित, लाभ , हानि देखा गया ना की मेरिट। कितनी अजीब बात है कि सर्वोच्च न्यायालय ने कार्रवाई के लिए कार्यपालिका को सूचित किया और तब मामला विधायिका तक पहुंचा लेकिन विधायिका ने भी कोई तत्परता ना ही दिखाई। नतीजतन आम आदमी को उंगली उठाने का मौका मिला।

अमेरिका-ईरान शांति वार्ता के बीच इज़रायल का हिज़्बुल्लाह पर आक्रामक रुख

पश्चिम एशिया एक बार फिर विरोधाभासों के दौर से गुजर रहा है। एक ओर अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता की संभावनाएं बन रही हैं, वहीं दूसरी ओर इजरायल ने लेबनान में हिज़्बुल्लाह के ठिकानों पर हमले तेज कर दिए हैं। यह स्थिति न केवल क्षेत्रीय संतुलन को चुनौती दे रही है, बल्कि शांति प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिह्न लगा रही है। इजरायल का तर्क साफ है—वह अपनी सुरक्षा को लेकर कोई जोखिम नहीं लेना चाहता। हिज़्बुल्लाह को वह अपने लिए सबसे बड़ा खतरा मानता है, जो ईरान के समर्थन से उत्तरी सीमा पर लगातार दबाव बनाए हुए है। ऐसे में जब अमेरिका और ईरान बातचीत की मेज पर हैं, इजरायल इसे एक अवसर के रूप में देख रहा है कि वह सैन्य कार्रवाई के जरिए अपने दुश्मनों को कमजोर कर दे लेकिन सवाल यह है कि क्या यह रणनीति दीर्घकालिक शांति की राह आसान करती है, या फिर इसे और जटिल बना देती है? शांति वार्ता का मूल उद्देश्य तनाव कम करना होता है, जबकि इजरायल के हमले उसी समय तनाव को बढ़ा रहे हैं। इससे यह संदेश जाता है कि क्षेत्रीय शक्तियां अपने-अपने हितों को प्राथमिकता दे रही हैं, भले ही इससे व्यापक शांति प्रक्रिया प्रभावित हो। लेबनान की स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है। पहले से ही आर्थिक संकट और राजनीतिक अस्थिरता से जूझ रहा यह देश अब एक नए संघर्ष की आग में झुलस रहा है। आम नागरिकों के लिए यह हालात और भी भयावह होते जा रहे हैं, जहां हर विस्फोट के साथ जीवन और भविष्य दोनों अनिश्चित होते जा रहे हैं। इस पूरे घटनाक्रम में ईरान की भूमिका भी अहम है। हिज़्बुल्लाह को उसका समर्थन इजरायल के लिए सीधी चुनौती है। ऐसे में अमेरिका–ईरान वार्ता का परिणाम चाहे जो भी हो, इजरायल अपनी सुरक्षा रणनीति में कोई ढील देने के मूड में नहीं दिखता। यह स्थिति एक बड़े सवाल को जन्म देती है—क्या पश्चिम एशिया में शांति केवल कूटनीतिक वार्ताओं से संभव है, या इसके लिए सभी पक्षों को एक समान प्रतिबद्धता दिखानी होगी? जब तक एक ओर बातचीत और दूसरी ओर बमबारी का सिलसिला चलता रहेगा, तब तक शांति एक दूर का सपना ही बनी रहेगी।आज जरूरत इस बात की है कि सभी संबंधित पक्ष संयम बरतें और शांति प्रक्रिया को कमजोर करने वाले कदमों से बचें। वरना, यह विरोधाभास न केवल वर्तमान संकट को गहरा करेगा, बल्कि भविष्य में किसी स्थायी समाधान की संभावनाओं को भी धूमिल कर देगा। पाकिस्तान में चल रही अमेरिका -ईरान शांति वार्ता के बीच इजरायल हिज़्बुल्लाह लेबनान पर जबरदस्त हमलें कर रहा है।

सौरभ वार्ष्णेय

जहां तक महिला आरक्षण...

कमलेश पांडेय

आखिर राज्यसभा और विधानपरिषदों में महिलाओं को क्यों नहीं मिलेगा

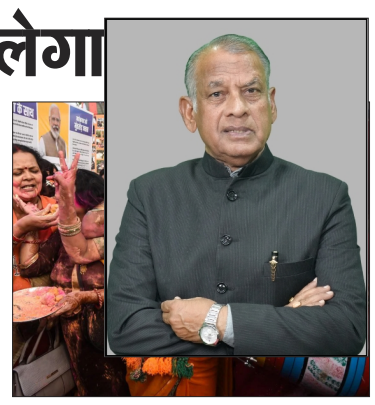

भारतीय संसद द्वारा देश की आधी आबादी समझी जाने वाली महिलाओं को महज 33 प्रतिशत आरक्षण देने की एक सकारात्मक नीतिगत पहल तो लोकसभा और विधानसभाओं के लिए की गई लेकिन उच्च सदन समझे जाने वाले राज्यसभा और विधान परिषदों के लिए उन्हें उनके स्वाभाविक हक से क्यों वंचित रखा गया, इसके सियासी मायने तलाशे जाने लगे हैं। पहला, क्या उनकी विद्वता पर हमारे नेताओं को संदेह है? दूसरा, क्या वह धनकुबेरों की जमात में शामिल नहीं हैं इसलिए इन सदनों के लिए उपयोगी नहीं समझी गईं? तीसरा, आरक्षण के भीतर दलितों, पिछड़ों और गरीब सवर्णों को आरक्षण देने की मांगों को तवज्जो देने में क्या और किसको हर्ज है? चौथा, जिसकी जितनी आबादी, उसकी उतनी हिस्सेदारी के तर्ज पर 50 प्रतिशत उन्हें आरक्षण क्यों नहीं दिया गया जबकि कई राज्यों में त्रिस्तरीय पंचायती राज निकायों में उन्हें यह प्राप्त है? पांचवां, क्या त्रिस्तरीय पंचायती राज संस्थाओं में महिला आरक्षण की सीमित सफलता से लोकसभा और विधान सभाओं के रणनीतिकार किसी पशोपेश में हैं? आइए इन सबकी पड़ताल करते हैं, ताकि आधी आबादी का भला हो। कहना न होगा कि उच्च सदन राज्यसभा व विधान परिषदों में महिलाओं को 33% आरक्षण न देने का निर्णय भारतीय राजनीति में लैंगिक समानता और प्रतिनिधित्व पर गंभीर प्रभाव डालता है। यह लोकसभा और विधानसभाओं तक सीमित नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023, (महिला आरक्षण विधेयक) के कारण है जो अप्रत्यक्ष रूप से चुनी जाने वाली इन संस्थाओं को बाहर रखता है। इससे निश्चय ही उनके राजनीतिक प्रतिनिधित्व पर प्रभाव पड़ेगा, क्योंकि राज्यसभा के सदस्य राज्य विधानसभाओं द्वारा चुने जाते हैं, जहां 33% महिला आरक्षण लागू होगा, लेकिन विधान परिषद में इनकी अनुपस्थिति से यह चक्र टूट जाता है। इससे राज्यसभा में महिलाओं का अप्रत्यक्ष प्रतिनिधित्व सीमित रहता है, क्योंकि विधान परिषदों वाली विधानसभाओं में कुल आरक्षण प्रभावित होता है। इसलिए राजनीतिक विश्लेषकों को आशंका है कि यह असंतुलन उच्च सदनों में पुरुष-प्रधानता को बनाए रख सकता है, जहां नीति-निर्माण पर महिलाओं का प्रभाव कम रहेगा। इस तकनीकी त्रुटि के सामाजिक और कानूनी निहितार्थ भी हैं। आमतौर पर महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी स्थानीय स्तर पर यानी त्रिस्तरीय पंचायती राज संस्थाओं, यथा- ग्रामीण क्षेत्रों के लिए पंचायतों, पंचायत समितियों, जिला परिषदों और शहरी क्षेत्रों के लिए नगर पंचायतों/नगर परिषदों, नगरपालिकाओं और नगर निगमों में 33% तक सीमित रहने से राष्ट्रीय स्तर पर नेतृत्व विकास रुक सकता है क्योंकि ओबीसी /एससी/एसटी/गरीब सवर्ण महिलाओं के लिए भी राज्यसभा में प्रतिनिधित्व की कमी सामाजिक न्याय को प्रभावित करती है। जनगणना और परिसीमन सम्बन्धी प्रावधानों को बदलने के बाद आम चुनाव 2029 से इसे लागू करने के लिए संसद के मौजूदा सत्र में संशोधन विधेयक लाया जाएगा जो सुप्रीम कोर्ट में चुनौती का विषय बन चुका है। जहां तक दीर्घकालिक चुनौतियों की बात है तो राज्यसभा और विधान परिषदों में महिलाओं का यह बहिष्कार राजनीतिक दलों को राज्यसभा में महिलाओं को टिकट न देने का अवसर देता है जिससे पितृसत्तात्मक संरचना मजबूत होती है। लिहाजा, इसमें अविलम्ब सुधार के लिए संविधान संशोधन जरूरी है लेकिन राजनीतिक सहमति की कमी इस दिशा की सबसे बड़ी बाधा है। परिणामस्वरूप, महिलाओं का नीति-निर्माण में योगदान अपूर्ण रहता है, जो समग्र लोकतंत्र को कमजोर करता है। सवाल है कि वो कौन से राजनेता और राजनीतिक दल हैं, जो राज्यसभा और विधान परिषदों में महिलाओं को उनका वाजिब हक भी नहीं देना चाहते। क्या उनकी माँ, बहनों, बेटियों का स्वाभाविक हक उनके इस कदम से नहीं मारा जाएगा, उन्हें अपने दिन से ही पूछना चाहिए। सवाल है कि राज्यसभा और विधान परिषद में महिलाओं का वर्तमान प्रतिनिधित्व कितना है? तो आंकड़े बताते हैं कि राज्यसभा में महिलाओं का प्रतिनिधित्व वर्तमान में लगभग 13% है, जबकि विधान परिषदों में यह और भी कम, मात्र 5% के आसपास है। अप्रैल 2026 तक राज्यसभा के कुल 245 सदस्यों में से 233 चुने हुए और 12 नामित में महिलाओं की संख्या करीब 30-35 है। वहीं, 6 राज्यों में विधान परिषद के कुल 600 सदस्यों में महिलाओं की संख्या लगभग 30 है। राज्यसभा में महिलाओं का प्रतिशत 13% के आसपास स्थिर है, जो वैश्विक औसत से कम है। जहां तक विधान परिषद में स्थिति की बात है तो भारत के 6 राज्यों (उत्तर प्रदेश, बिहार, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र) में ही विधान परिषदें हैं, जहां महिलाओं का प्रतिनिधित्व औसतन 5% है जबकि यह राज्य विधानसभाओं के 9% से भी कम है, जो लैंगिक असंतुलन को दर्शाता है। कुल मिलाकर विधान परिषदों के लगभग 600 सदस्य हैं जो अप्रत्यक्ष चुनाव से चुने जाते हैं।

दरअसल जब...

ओ.पी. पाल

तमिलनाडु विधानसभा चुनावः द्रविड़ सियासत का 'लिटमस टेस्ट' या नए युग का आगाज़

तमिलनाडु की राजनीति को समझने के लिए अक्सर वहां की रैलियों का शोर और सिनेमाई सितारों का 'कट-आउट' काफी माना जाता रहा है लेकिन 23 अप्रैल 2026 को विधानसभा की 234 सीटों पर होने वाले चुनाव से ठीक पहले राज्य की गलियों में पसरा 'सन्नाटा' किसी खामोशी का नहीं बल्कि एक बहुत बड़े सियासी मंथन का संकेत है। इस बार का चुनाव केवल सत्ता का हस्तांतरण नहीं है बल्कि यह इस बात का लिटमस टेस्ट है कि क्या 50 साल पुराना द्रविड़ वर्चस्व अब बहु-ध्रुवीय राजनीति के सामने झुकने को तैयार है? यानी एक गहरी राजनैतिक परिपक्वता और त्रिस्तरीय मुकाबले का संकेत है। विशेषकर महिला मतदाता, जो राज्य की आबादी का 51 प्रतिशत हैं, उन्होंने अपनी चुप्पी से डीएमके और एआईए-डीएमके दोनों खेमों की नींद उड़ा दी है हालांकि सभी राजनीतिक दल अपनी नई चुनावी रणनीति के साथ चुनावी जंग में हैं। तमिलनाडु राजनीति के इतिहास पर नजर डाली जाए, तो चुनाव में तमिलनाडु की राजनीति में इस समय द्रविड़ दलों यानी द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम (डीएमके) और ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एडीएमके) को अक्सर एक राजनीतिक महाशक्ति के रूप में देखा जाता है। ये दोनों प्रमुख दल ही पिछले दशकों से राज्य पर शासन करते आ रहे हैं लेकिन तमिलनाडु विधानसभा चुनाव को लेकर इस बार सियासी तस्वीर काफी बदली हुई नजर आ रही है। जहां पहले चुनावों में किसी एक पार्टी या गठबंधन की लहर नजर आती थी, वहीं इस बार ऐसा कोई सियासी परिदृश्य नहीं है। राजग और इंडिया गठबंधन दोनों अपनी-अपनी रणनीति के साथ मैदान में हैं लेकिन जनता का मूड अभी भी शांत और सोच-समझकर फैसला लेने वाला दिख रहा है। राज्य में चुनावी सरगर्मियों के बीच इस बार चुनावी रैलियों में वह पारंपरिक उन्माद नहीं दिख रहा, जो कभी एमजीआर, जयललिता या करुणानिधि के दौर में होता था। इस बार मतदाता मौन है और लगता है कि जनता इस बार उम्मीदवारों के चेहरों को नहीं, बल्कि उनके ट्रैक रिकॉर्ड को तौल रही है। यह सन्नाटा बताता है कि मतदाता इस बार 'लहर' के बहाव में नहीं, बल्कि 'परिणाम' के प्रभाव पर वोट करेगा। मसलन इस बार का चुनाव यह तय करेगा कि क्या तमिलनाडु अपनी पारंपरिक द्रविड़ सीमाओं में ही रहेगा या फिर वह राष्ट्रीय मुख्यधारा की राजनीति और नए क्षेत्रीय चेहरों के लिए अपने दरवाजे खोलेगा। दरअसल जब तमिलनाडु का मतदाता शांत होता है, तो वह अक्सर किसी बड़े 'उलटफेर' की पटकथा लिख रहा होता है। 4 मई के नतीजे केवल एक मुख्यमंत्री नहीं चुनेंगे, बल्कि तमिलनाडु की राजनीति की अगली आधी सदी का रुख तय करेंगे। सत्ताधारी डीएमके अपने 'द्रविड़ मॉडल' और महिला केंद्रित कल्याणकारी योजनाओं के भरोसे मैदान में है। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के लिए यह चुनाव अपनी विरासत को स्थायी बनाने की लड़ाई है। इसमें उनका मजबूत कैडर और सरकारी योजनाओं की जमीनी पहुंच मानी जा रही है।

जरा हटके

राज्यसभा में महिलाओं...

राजेश श्रीवास्तव

कहीं जुबानी जंग बिगाड़ तो नहीं देगी शांति वार्ता का मकसद

पश्चिम एशिया में शांति स्थापित करने के लिए पाकिस्तान के इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के प्रतिनिधिमंडल के बीच वार्ता चल रही है। एक राउंड वार्ता आमने-सामने हो भी चुकी है और वार्ता को एक दिन के लिए बढ़ाया भी गया है। ऐसे में कुछ तो उम्मीद नजर आ रही है क्योंकि युद्ध विराम अमेरिका और इजरायल दोनों देशों की जरूरत है और दुनिया भी इसी की ओर ताक रही है लेकिन अगर आप अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इरान के अराघची के बयानों पर नजर डालें तो युद्ध विराम या फिर शांति वार्ता के सफल होने की उम्मीद बेहद क्षीण होती नजर आती हैं। ऐसा लगता नहीं हैं कि कूटनीति की मेज पर होने वाली बातचीत से कोई हल निकलेगा जबकि संभावना जताई जा रही है कि इस अमेरिका-ईरान के बीच इस शांति वार्ता से पश्चिम एशिया संकट का हल निकल सकता है। लेकिन इसकी उम्मीदें कम ही हैं। ऐसा कहने की सबसे बड़ी वजह है अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का हालिया बयान। वहीं, ईरान भी अमेरिका के आगे झुकने को तैयार नहीं है। पश्चिम एशिया में शांति प्रयासों के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक चेतावनी जारी की। उन्होंने कहा कि अगर इस्लामाबाद में शांति वार्ता विफल होती है, तो अमेरिका ईरान पर अपने सबसे बेहतरीन हथियारों का इस्तेमाल करके एक बड़ा सैन्य हमला करने के लिए तैयार है। गौरतलब है कि पश्चिम एशिया में हालिया तैनातियों के बाद अमेरिकी सैनिकों की संख्या 50000 के पार पहुंच गई है। वहां पहले से ही करीब 2500 मरीन और 2500 नौसैनिक मौजूद हैं। अमेरिकी युद्धपोतों की संख्या भी खाड़ी क्षेत्र में बढ़ी है। वहीं, कई युद्धपोत पश्चिम एशिया की ओर रवाना भी हुए हैं। ईरानी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाकेर गालिबाफ कर रहे हैं, जो विदेश मंत्री अब्बास अराघची के साथ आधी रात के बाद इस्लामाबाद पहुंचे। वहीं, अमेरिकी टीम का नेतृत्व उपराष्ट्रपति जेडी वेंस कर रहे हैं, जिनके साथ विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर भी शामिल हैं। इसके साथ अमेरिकी सेना के सेंट्रल कमांड के अधिकारी ब्रैड कूपर भी वहां पहुंचे हैं। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इन वार्ताओं को 'मेक ऑर ब्रेक' (बनेगा या टूटेगा) करार दिया है। शांति वार्ता से पहले ईरान के संसदीय अध्यक्ष मोहम्मद बाकेर गालिबाफ के नेतृत्व में एक ईरानी प्रतिनिधिमंडल इस्लामाबाद पहुंचा। वहीं, अमेरिका के साथ होने वाली शांति वार्ता से पहले गालिबाफ ने साफ कर दिया है कि ईरान की पहले की शर्तें पूरी होने पर ही बातचीत आगे बढ़ सकती है। उन्होंने कहा कि ईरान बातचीत के लिए तैयार, लेकिन हमें अमेरिका पर भरोसा नहीं है। गालिबाफ ने यह भी कहा कि तेहरान की मांगों में लेबनान में युद्धविराम शामिल है। ईरान और मध्यस्थता कर रहे पाकिस्तान ने भी कहा कि यह अमेरिका के साथ युद्धविराम का हिस्सा होना चाहिए था हालांकि, अमेरिका और इस्राइल ने इस बात से इनकार किया है। कहा जा सकता है कि ईरान की पूर्व-शर्तों पर अमेरिकी मुहर लगने से ही शांति वार्ता के सफल होने की उम्मीद है। वार्ता के बीच इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि भले ही इस्राइल युद्धविराम का स्वागत करता है, लेकिन लेबनान पर हमले नहीं रुकेंगे। उन्होंने कहा कि वे हिजबुल्ला को खत्म करने के अपने मिशन को जारी रखेंगे। गौरतलब है कि लेबनान पर इस्राइली सेना की ओर से हमलों में कमी नहीं आई है। इस बीच ईरान ने जो प्रमुख शर्तें रखी हैं उससे भी इस शांति वार्ता पर पलीता लगता दिख रहा है । उसकी शर्तों में अमेरिका द्वारा ईरान पर लगे सभी प्रतिबंधों को स्थायी रूप से हटाना। होर्मुज जलडमरूमध्य पर ईरान का नियंत्रण जारी रखना । ईरान को मिले यूरेनियम संवर्धन जारी रखने का अधिकार। क्षेत्र से अमेरिकी सैन्य बलों की पूरी तरह वापसी । अमेरिका द्वारा ईरान पर भविष्य में कोई सैन्य हमला न करने का लिखित आश्वासन। संघर्ष के कारण ईरान को हुए आर्थिक नुकसान की भरपाई के लिए मुआवजा। ईरान के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और परमाणु ऊर्जा एजेंसी के सभी प्रस्तावों को रद्द करना। लेबनान, इराक और यमन सहित सभी मोर्चों पर युद्ध की पूर्ण समाप्ति। यह सभी शर्तें मान पाना अमेरिका के लिए लगभग असंभव ही है जबकि अमेरिका ने भी कई अहम शर्तों का पुलिंदा थमा दिया है जिसके तहत 30 दिनों का युद्धविराम। ईरान की परमाणु सुविधाओं को नष्ट करना। भविष्य में परमाणु हथियार विकसित नहीं करने का भरोसा। संवर्धित यूरेनियम के भंडार को अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) को सौंपना। ईरान के परमाणु बुनियादी ढांचे की आईएईए द्वारा पूर्ण निगरानी और देश के भीतर यूरेनियम संवर्धन पर रोक। क्षेत्रीय प्रॉक्सी (हिजबुल्ला, हमास आदि) के लिए ईरान का समर्थन खत्म करना। क्षेत्रीय ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर ईरान के हमलों को रोकना। होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलना। ईरान पर अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंधों को हटाना। ईरान की मिसाइलों की संख्या और उनकी रेंज सीमित करने की मांग। इसलिए दोनों ओर की जुबानी जंग इस शांति वार्ता को एक मंसूबे तक पहुंचायेगी, यह कहना बहुत मुश्किल है। काश ऐसा न हो और दुनिया शांति की ओर बढ़े लेकिन ऐसा होता दिख नहीं रहा है।

कन्नौज में दुकान में घुसकर पलट गया, दबने से बुजुर्ग की जान गई, 3 गंभीर

बेकाबू ट्रक ने स्कूटी सवार छात्रा को रौंदा

हादसा

डीएम आशुतोष मोहन अग्निहोत्री ने बताया कि मरने वालों के परिवार को 5 लाख रुपये की सहायता दी जाएगी।

तमसा संकेत, एजेंसी

कन्नौज। कन्नौज में तेज रफ्तार ट्रक बेकाबू होकर स्कूटी सवार छात्रा को रौंदते हुए एक दुकान में घुसकर पलट गया। ट्रक के पलटने से फल विक्रेता सहित 4 लोग उसके नीचे दब गए। फल विक्रेता की मौत हो गई जबकि 3 गंभीर हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रक में कोयला लदा हुआ था। पहले उसने स्कूटी को ठोकर मारी, इसके बाद अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक दुकान में जा घुसा। रविवार सुबह का यह हादसा छिबरामऊ कोतवाली क्षेत्र के भाऊलपुर तिराहे का है। मृतकों की पहचान दुर्गा नगर की अंशिका (14) और भावलपुर के कन्हैयालाल (65) के रूप में हुई है। अंशिका हाईस्कूल की स्टूडेंट है और कोचिंग के लिए जा रही थी। जबकि बुजुर्ग उसी बाजार में फल की दुकान है। हादसे में कन्हैयालाल के दोनों बेटे भी गंभीर हैं। स्थानीय लोगों ने आशंका जताई है कि ट्रक के नीचे कुछ और लोग दबे हो सकते हैं। उधर, घटना की सूचना के बाद पुलिस प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गई। जेसीबी की मदद से मलबा हटाया जा रहा है। छिबरामऊ के दुर्गानगर के राजू कश्यप की 14 वर्षीय बेटी अंशिका हाईस्कूल की स्टूडेंट है। रविवार को वह अपनी स्कूटी से भाऊलपुर तिराहे के पास स्थित एक कोचिंग में पढ़ने जा रही थी। सुबह करीब 8.30 बजे वह तिराहे के पास पहुंची थी।

परिवार को 5 लाख रुपये की सहायता दी जाएगी

डीएम आशुतोष मोहन अग्निहोत्री ने घायलों का हालचाल लेने के बाद उन्होंने बताया कि मृतक कन्हैयालाल बटाईदार थे और बटाई पर खेती करते थे। ऐसे में सरकार की स्पष्ट गाइडलाइन है कि बटाईदार को भी मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना योजना के अंतर्गत आच्छादित किया जाता है। उनके परिवार को 5 लाख रुपये की सहायता दी जाएगी। इसके अलावा इतनी ही धनराशि की सहायता छात्रा के परिजनों को भी दी जाएगी। साथ ही मृतकों की पात्रता का परीक्षण कराया जाएगा, जिसके अनुसार अन्य लाभ भी प्रदान किए जाएंगे। घायलों का बेहतर इलाज कराया जा रहा है। उनके परिजनों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसका भी पूरा ध्यान रखा जा रहा है।

बेकाबू ट्रक ने 5 लोगों को रौंद दिया। इसमें 2 की मौके पर ही मौत हो गई।

विधायक, डीएम और एसपी पहुंचे अस्पताल

ट्रक हादसे के घायलों अंकित, अमित और आदर्श का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। हादसे की सूचना पर विधायक अर्चना पांडेय पहुंची। उन्होंने घायलों का हाल जाना। एडीएम देवेंद्र कुमार, एडिशनल एसपी अजय कुमार भी अस्पताल पहुंचे और इलाज की व्यवस्था देखी। घटनास्थल पर पहुंचे सपा के पूर्व विधायक अरविंद यादव ने कहा कि ट्रक हादसे में जान गंवाने वाले दोनों मृतकों के परिजन को राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की तरफ से 1-1 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी।

अम्बेडकर जयंती को लेकर प्रशासन सतर्क

बैठक कर दिए गए सख्त निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

बहराइच। बहराइच जनपद के पयागपुर थाना क्षेत्र में आगामी 14 अप्रैल को मनाई जाने वाली डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। इसी क्रम में दिनांक 12 अप्रैल 2026 को थाना पयागपुर परिसर में थानाध्यक्ष दीपक कुमार सिंह द्वारा शोभा यात्रा, जुलूस एवं माल्यार्पण कार्यक्रम के आयोजकों और वालंटियरों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक के दौरान उपस्थित सभी आयोजकों को उच्चाधिकारियों द्वारा जारी दिशा-निर्देशों से अवगत कराया गया। थानाध्यक्ष ने स्पष्ट रूप से कहा कि जयंती कार्यक्रम के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी प्रकार की अफवाह, अव्यवस्था या कानून-व्यवस्था को प्रभावित करने वाली गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जाएगी। इसके साथ ही आयोजकों से अपील की गई कि वे प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर कार्य करें और कार्यक्रम को शांतिपूर्ण एवं गरिमामय तरीके से संपन्न कराएं। वालंटियर्स को भी जिम्मेदारीपूर्वक अपनी भूमिका निभाने के निर्देश दिए गए। प्रशासन की इस सक्रियता से साफ है कि पयागपुर में इस बार अम्बेडकर जयंती का आयोजन सुरक्षा और अनुशासन के साथ संपन्न कराने की पूरी तैयारी कर ली गई है।

फास्ट न्यूज

निकाह में खाने को लेकर विवाद

बिल्हौर। कानपुर में निकाह के दौरान खाने को लेकर विवाद हो गया। बात इतनी बढ़ी की दोनों पक्ष आमने-सामने आ गया। देखते ही देखते कुर्सियां व बर्तनों से एक-दूसरे पर हमला करने लगे। इस दौरान दुल्हन पक्ष के चाचा और चचेरे भाई घायल हो गए। गुस्से में दूल्हे ने तलाक दे दिया। इसके बाद दोनों पक्ष के लोगों ने विवाद खत्म किया। बाद में दोनों पक्ष के बीच समझौता हुआ और दुल्हन को विदा किया गया।

भेलूपुर-लोहता के लापरवाह इंस्पेक्टर लाइन हाजिर

वाराणसी। वाराणसी पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल ने थानों की मासिक समीक्षा बैठक में लापरवाहों के खिलाफ एक्शन लिया। सीपी ने अपराध, यातायात, जन समस्याएं और सीएम डैशबोर्ड समेत कई बिंदुओं पर रिपोर्ट देखी। थानों पर लंबित विवेचनाओं और विवादों पर एक्शन नहीं लेने वालों को फटकार लगाई। प्रदर्शन आधारित जवाबदेही तय करते हुए निष्क्रियता थानेदारों की पुलिस लाइन में आमद कराई। सबसे पहले भेलूपुर इंस्पेक्टर सुधीर त्रिपाठी को लापरवाह बताते हुए लाइन हाजिर कर दिया।

सपा नेता के भतीजे-भाभी के शराब ठेके सील

वाराणसी। देशभर में चर्चित कोडीन कफ सिरप केस में समाजवादी पार्टी व्यापार सभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जायसवाल के भतीजे वैभव जायसवाल की गिरफ्तारी के बाद उनकी संपत्तियों पर एक्शन भी शुरू हो गया है। पुलिस ने प्रदीप के भतीजे वैभव की गिरफ्तारी के बाद उसकी पत्नी और मां समेत पांच महिलाओं को गिरफ्तार किया था। अब इनकी संपत्तियों पर सीलिंग शुरू कर दी है।

देवरिया में युवक की हत्या का खुलासा

लिफ्ट देने के बाद हुई वारदात, 5 आरोपी गिरफ्तार

तमसा संकेत, एजेंसी

देवरिया। देवरिया जिले में एक युवक के शव मिलने के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस संबंध में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिलें, एक लाठी, कड़ा, अंगूठी और पांच मोबाइल फोन बरामद किए हैं। यह घटना सुरौली थाना क्षेत्र की है। 28 मार्च 2026 को भटजमुआव के पास गेहूं के खेत में एक अज्ञात युवक का शव मिला था। बाद में उसकी पहचान उन्नाव निवासी रवि प्रकाश के रूप में हुई, जो देवरिया के सोनूघाट स्थित एक फ्रूट सप्लायर कंपनी में कार्यरत था। मृतक के ससुर की तहरीर पर 1 अप्रैल को अज्ञात के विरुद्ध हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई। मामले के खुलासे के लिए सुरौली पुलिस, एसओजी और सर्विलांस टीम को लगाया गया। जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज में दो मोटरसाइकिलों पर संदिग्ध युवक दिखाई दिए। इसके अलावा, आरोपियों ने घटना के कुछ दिनों बाद मृतक का मोबाइल फोन एक बार खोला था, जिससे पुलिस को अहम सुराग मिला। इन सुरागों के आधार पर पुलिस ने 12 अप्रैल को मुखबिर की सूचना पर बिंदवलिया पुल के पास से पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

वकील की हत्या करने वाले का एनकाउंटर

दोनों पैर में गोली लगी, पुलिसवाले टांगकर ले गए, मॉर्निंग वॉक पर मारी थी गोली

तमसा संकेत, एजेंसी

मिर्जापुर। मिर्जापुर में सीनियर वकील राजीव सिंह की हत्या करने वाले 50 हजार के इनामी राजेंद्र सोनकर को पुलिस ने शनिवार रात एनकाउंटर में गिरफ्तार कर लिया। उसके दोनों पैरों में गोली लगी। पुलिसकर्मी उसे कंधे पर टांगकर गाड़ी तक ले गए, फिर मंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। एसपी अपर्णा रजक कौशिक ने बताया- बरौधा तिराहे पर पुलिस टीम चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान आरोपी बाइक से आया और पुलिस को देखकर भागने लगा। पीछा करने पर उसने पुलिस पर फायरिंग की। जवाबी कार्रवाई में उसके दोनों पैरों में गोली लग गई। शनिवार सुबह सवा सात बजे वकील राजीव सिंह (45) की उनके घर के पास ही गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वह मॉर्निंग वॉक पर निकले थे। आरोपी ने उनके सीने से सटाकर तमंचे से गोली मारी गई थी। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हत्या के बाद आरोपी अपने एक साथी के साथ फरार हो गया था। वारदात CCTV में कैद हो गई थी। एसपी ने उसे पकड़ने के लिए 5 टीमें लगाई थी। साथ ही उस पर 50 हजार का इनाम घोषित किया था। 15 घंटे के भीतर पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया। साथी की तलाश जारी है। जिला मुख्यालय से 2 किलोमीटर दूर कटरा कोतवाली क्षेत्र के कतवारु का पुरा मोहल्ले में शनिवार सुबह 7.15 बजे मॉर्निंग वॉक पर निकले सीनियर वकील की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। दो हमलावर बाइक से आए थे। उन्हें रास्ते में रोका और सीने में तमंचा सटाकर गोली मार दी।

वकील की पत्नी गांव में प्रधान, परिवार शहर में रहता है

मूलरूप से विंध्याचल थाना के देवरी गांव के रहने वाले राजीव सिंह उर्फ रिंकू कटरा कोतवाली में रहते थे। 2011 में यहां जमीन खरीदकर मकान बनवाया था। बच्चों की पढ़ाई की वजह से यहीं रहते थे। यहीं से कोर्ट आते-जाते थे। गांव में पत्नी प्रतिभा सिंह (40) प्रधान हैं। खुद भी 2 बार प्रधान रह चुके थे। इस वजह से गांव भी आना जाना लगा रहता था। उनके 2 बेटे ओम (18) और सार्थक (12) हैं।

आरोपी भी प्रधानी का चुनाव लड़ चुका है

एसपी ने बताया था कि मुख्य आरोपी राजेंद्र सोनकर वकील के गांव देवरी का रहने वाला था। प्रधानी का चुनाव लड़ चुका था। उसकी राजीव की पत्नी प्रतिभा सिंह से चुनावी रंजिश चल रही थी। राजेंद्र कतवारू का पुरा यानी वकील के घर के पास किराए पर रहता है। उसे पहले से पता था कि राजीव मॉर्निंग वॉक के लिए हर दिन कितने बजे घर से निकलते हैं। पूरी साजिश रचकर उसने वारदात की।

सीसीटीवी में पूरी वारदात

समीक्षा अधिकारी बने संजीत वर्मा का मीरपुर में भव्य स्वागत

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। क्षेत्र के ग्राम मीरपुर में रविवार को उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला, जब किसान राम हर्ष वर्मा के पुत्र संजीत कुमार वर्मा समीक्षा अधिकारी के पद पर चयनित होने के बाद पहली बार अपने पैतृक गांव पहुंचे। उनके आगमन पर ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों और शुभचिंतकों ने जोरदार स्वागत कर उन्हें बधाई दी। संजीत कुमार वर्मा के गांव पहुंचते ही उनके आवास पर लोगों का तांता लग गया। गांव ही नहीं बल्कि आसपास के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में लोग उन्हें शुभकामनाएं देने पहुंचे। इस दौरान पूरा माहौल उत्साह और गर्व से सराबोर नजर आया। कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों और गणमान्य लोगों ने उन्हें भगवान श्रीराम एवं महावीर हनुमान की प्रतिमा, अंगवस्त्र और पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। लोगों ने उनकी इस उपलब्धि को क्षेत्र के लिए गौरव का विषय बताया। इस अवसर पर बाराबंकी के एमएलसी अंगद सिंह, रामनगर के पूर्व विधायक शरद कुमार अवस्थी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष शेखर हयारण, समाजसेवी अधीर सिंह सहित सैकड़ों लोगों ने उनके निवास पर पहुंचकर बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। पूर्व विधायक शरद कुमार अवस्थी ने अपने संबोधन में कहा कि ग्रामीण परिवेश से निकलकर उच्च पदों पर पहुंचने वाले होनहार युवाओं की सफलता पूरे समाज के लिए प्रेरणादा-यक होती है। ऐसे युवा आने वाली पीढ़ी को आगे बढ़ने की दिशा दिखाते हैं। भाजपा जिला उपाध्यक्ष शेखर हयारण ने कहा कि संजीत कुमार वर्मा की सफलता केवल उनके परिवार या गांव की उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह पूरे क्षेत्र के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है। इससे क्षेत्र के युवाओं में नई ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार होगा। समारोह के दौरान अन्य वक्ताओं ने भी उनके संघर्ष, मेहनत और लगन की सराहना करते हुए कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने जो मुकाम हासिल किया है, वह काबिले-तारीफ है। इस मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेता हंस कुमार सिंह (गुड्डू), वरिष्ठ भाजपा नेता शिव गोविंद अवस्थी, भाजपा मंडल अध्यक्ष सुशील वर्मा, मंडल महामंत्री राजीव शुक्ला (राजू), सुनील वर्मा, अनुराग सिंह, रमेश चौरसिया, काशीराम वर्मा, नन्द किशोर वर्मा, बृजेश वर्मा सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

गोवंश की हड्डियां-मांस मिलने पर हंगामा

कूड़े के ढेर में पड़ा मिला, गो सेवक महासभा के कार्यकर्ता बोले- आरोपी को गिरफ्तार करें

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर के कल्याणपुर थाना क्षेत्र में रविवार दोपहर गोवंश के मांस और हड्डियां मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। इस दौरान गो सेवक महासभा के कार्यकर्ताओं ने हंगामा किया, जिन्हें कार्रवाई के आश्वासन पर शांत कराया गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू करते हुए आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू कर दिए हैं। घटना आईआईटी नानकारी क्षेत्र की है, जहां दोपहर के समय कूड़े के ढेर में गोवंश के मांस के टुकड़े पड़े मिले। सूचना मिलते ही गो सेवक महासभा के जिलाध्यक्ष राहुल सिंह, अध्यक्ष सचिन दुबे, प्रमुख उपाध्यक्ष शानू सैनी और प्रशांत सिंह राठौर समेत कई कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे और विरोध जताने लगे। एसीपी कल्याणपुर आशुतोष कुमार ने बताया कि 112 के जरिए सूचना मिलने पर पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। उन्होंने कहा कि मामले में सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश की जा रही है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा। पुलिस ने मौके से गौवंश को हटवाकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों और कार्यकर्ताओं का आरोप है कि देर रात अराजक लोगों ने गोवंश के मांस और हड्डियां यहां फेंका है। पुलिस इस एंगल से भी जांच कर रही है और घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है।

एसीपी कल्याणपुर आशुतोष कुमार ने बताया कि 112 के जरिए सूचना मिलने पर पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया।

आरोपी की गिरफ्तारी तक नहीं हटेंगे

कार्यकर्ताओं ने मौके पर हंगामा करते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। उनका कहना था कि जब तक दोषियों को पकड़ा नहीं जाएगा, वे मौके से नहीं हटेंगे। स्थिति को देखते हुए पुलिस ने मौके पर पहुंचकर लोगों को समझाया और सख्त कार्रवाई का भरोसा दिलाया।

अफरा-तफरी : वाराणसी में मैनुअल जांच के बाद एंट्री, यूपीएससी करा रहा परीक्षा

एनडीए एग्जाम में फेस ऑथेंटिकेशन फेल

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित NDA व NA (1) परीक्षा के दौरान रविवार को तकनीकी खामी सामने आई। परीक्षा शुरू होने से ठीक पहले फेस ऑथेंटिकेशन ऐप का सिस्टम फेल हो गया, जिससे वाराणसी समेत देशभर के कई परीक्षा केंद्रों पर कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। तकनीकी समस्या के चलते दूसरी पाली की परीक्षा में अभ्यर्थियों का प्रवेश प्रभावित हुआ। दोपहर 2 बजे से शुरू होने वाली इस पाली में परीक्षार्थियों का सत्यापन मैनुअल तरीके से किया गया। केंद्रों पर मौजूद कर्मियों ने अभ्यर्थियों के आधार कार्ड और एडमिट कार्ड से चेहरे का मिलान कर उन्हें परीक्षा केंद्र में प्रवेश दिया। फेस ऑथेंटि-केशन सिस्टम के अचानक फेल होने से केंद्रों पर तैनात अधिकारी भी असहज नजर आए। नोडल अधिकारियों को तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था अपनानी पड़ी, ताकि परीक्षा समय पर शुरू कराई जा सके और किसी अभ्यर्थी को परेशानी न हो। हालांकि कुछ समय के व्यवधान के बाद स्थिति को संभाल लिया गया और परीक्षा निर्धारित समय के अनुसार संचालित होती रही। वाराणसी में इस परीक्षा के लिए कुल 26 केंद्र बनाए गए थे, जहां 12,186 परीक्षार्थियों ने भाग लिया। परीक्षा दो पालियों में आयोजित की गई। पहली पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक संपन्न हुई, जबकि दूसरी पाली दोपहर 2 बजे से शुरू होकर शाम 4:30 बजे तक चली। परीक्षा में किसी भी प्रकार की अनियमितता या नकल को रोकने के लिए कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए थे। परीक्षा केंद्रों पर थ्री-लेयर चेकिंग की व्यवस्था लागू रही।

राजकीय क्वींस इंटर कॉलेज के बाहर लंबी लाइन लगी रही।

30 मिनट पहले बंद कर दिया गया गेट

संघ लोक सेवा आयोग की ओर से इस परीक्षा को लेकर सख्त गाइडलाइन जारी किया गया था। इसमें निर्देश दिया गया था कि परीक्षा शुरू होने के आधे घंटे पहले ही केंद्र का गेट बंद कर दिया जाएगा। इसके बाद किसी भी परीक्षार्थी को अंदर नहीं जाने दिया जाएगा। इसी तरह पर्यवेक्षक एवं परीक्षा कार्य से संबद्ध कार्मिकों को परीक्षा केंद्र पर परीक्षा शुरू होने के कम से कम 2 घंटे पहले केंद्र पर पहुंचना अनिवार्य होगा।

तकनीकी खामी के बावजूद परीक्षा जारी

फेस ऑथेंटिकेशन सिस्टम में आई गड़बड़ी ने कुछ देर के लिए व्यवस्था को प्रभावित जरूर किया, लेकिन प्रशासन की तत्परता से परीक्षा को बिना किसी बड़े व्यवधान के पूरा कराया गया। अब उम्मीद की जा रही है कि भविष्य में ऐसी तकनीकी समस्याओं से बचने के लिए आयोग और अधिक मजबूत व्यवस्थाएं करेगा।

पुलिसकर्मी शारदा नहर में डूबा, तलाश जारी

हरदोई। हरदोई में रविवार को शारदा नहर में नहाते समय तीन प्रशिक्षु सिपाही डूब गए। यह घटना टड़ियावां थाना क्षेत्र के रसूलापुर के पास हुई। नहर के तेज बहाव और गहराई का अंदाजा न होने के कारण तीनों सिपाही अचानक डूबने लगे। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किया। ग्रामीणों की मदद से दो प्रशिक्षु सिपाहियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। हालांकि, तीसरा सिपाही गौरव उर्फ राजन नहर के तेज बहाव में लापता हो गया। अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी मार्तंड प्रकाश सिंह ने बताया कि तीनों प्रशिक्षु सिपाही बाजार से लौटते समय परइठा पुल के पास नहर में नहाने उतरे थे। उन्होंने पुष्टि की कि दो सिपाहियों को बचा लिया गया है, जबकि लापता सिपाही गौरव की तलाश जारी है। लापता सिपाही की तलाश के लिए एसडीआ-रएफ (SDRF) टीम को बुलाया गया है। स्थानीय गोताखोरों की मदद से भी सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। नहर के तेज बहाव के कारण बचाव कार्य में लगातार दिक्कतें आ रही हैं।

मामा ने 4 साल की भांजी को गला घोंटकर मारा

गाजियाबाद में पिता बोले- पहले रेप किया और फिर हत्या, पॉक्सो में केस

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजियाबाद। गाजियाबाद में एक युवक ने अपनी 4 साल की भांजी की गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या के बाद उसने बच्ची के शव को सड़क पर फेंक दिया ताकि गाड़ियां रौंद दें। परिजनों के अनुसार, आरोपी मामा बच्ची को अपने साथ बाहर लेकर गया था। शाम को जब परिवार ने बच्ची के बारे में पूछा, तो उसने बताया कि वह उसे घर के बाहर छोड़ आया था। इसके बाद परिजन बच्ची की तलाश करने लगे, लेकिन वह नहीं मिली। आखिरकार उन्होंने पुलिस में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। शनिवार देर रात टीला मोड़ थाने की पुलिस को बीकानेर 80 फुटा रोड पर बच्ची का शव मिला। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने पॉक्सो एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है। आरोपी मामा फिलहाल फरार है। परिजन का आरोप है कि मामा ने रेप करने के बाद गला दबाकर मार डाला। हालांकि, हत्या की वजह अभी सामने नहीं आ सकी है। पुलिस के अनुसार, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही सबकुछ क्लियर होगा। आरोपी मामा (25) मुजफ्फरनगर के सिसौली क्षेत्र का रहने वाला है। वह गाजियाबाद के टीला थानाक्षेत्र में किराए के मकान में रहकर मजदूरी का काम करता है। उसके कमरे से करीब 100 मीटर की दूरी पर उसकी बहन अपने परिवार के साथ रहती है। शनिवार को वह बहन के कमरे पर गया। बहनोई ने बताया- दोपहर करीब 1 बजे उनका साला घर पहुंचा। बेटी को घूमाने के बहाने अपने घर ले गया। देर शाम तक जब बच्ची घर नहीं लौटी तो वह उसके कमरे पर पहुंचे। बच्ची उसके साथ नहीं थी। बच्ची के बारे में पूछा तो उसने बताया कि वह उसे उनके घर के बाहर छोड़ आया था। बहन और बहनोई परेशान हो गए और बच्ची को ढूंढ़ने लगे। लेकिन वह नहीं मिली। देर शाम तक जब बच्ची नहीं मिली तो परिजन ने थाने में शिकायत दर्ज कराई।

मां की भी गई जान, बहन लापता, वृंदावन हादसे में मृतकों की संख्या 13 हुई

पिता के लिए मन्नत मांगने आई बीए छात्रा की मौत

बीमार पिता के लिए मन्नत मांगने आई थी डिंकी, हादसे में जान गई

पंजाब की मृतक डिंकी (21) के पिता लंबे समय से बीमार चल रहे थे। इसलिए डिंकी की मां मन्नत मांगने के लिए वृंदावन आ रही थी। इसी दौरान डिंकी बोली कि मैं भी तुम्हारे साथ चलना चाहती हूं। मां, बेटी पिता की सलामती के लिए वृंदावन मन्नत मांगने आई थीं। दोनों के शव बरामद कर लिए गए हैं।

खोज

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। मथुरा के वृंदावन में नाव हादसे में अब तक 13 श्रद्धालुओं की मौत हो चुकी है। 22 लोगों को रेस्क्यू किया गया है। 3 लोग अब भी लापता हैं। रविवार को तीसरे दिन भी रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा है। सेना, NDRF-SDRF समेत करीब 250 लोगों की टीम ऑपरेशन में लगी हुई है। अब जांच का दायरा 14 किमी से बढ़ाकर 20 किमी कर दिया गया है। आज सुबह दो और शव मिले। इनकी पहचान पंजाब के दुगरी

(लुधियाना) की डिंकी और जगराओं के ऋषभ शर्मा के रूप में हुई। प्रशासन के मुताबिक, शव फूलकर नदी के ऊपर आ गए थे। रस्सी बांधकर शवों को नाव में खींचा गया और बाहर निकाला। परिजनों ने दोनों की पहचान की। डिंकी BA फाइनल ईयर की छात्रा थी। बीमार पिता के लिए मन्नत मांगने मां और बहन के साथ वृंदावन आई थी। मां की लाश पहले ही

66 बाबूलाल कहते हैं कि अगर दो दिन नाव नहीं चलाएंगे तो कुछ नहीं होगा। बाबूलाल ने बताया कि प्रशासन ने मना नहीं किया है, लेकिन निर्देश दिए हैं कि वह 10 लोग बैठाएंगे और बिना लाइफ जैकेट के किसी को नहीं बिठाएंगे।

बरामद हो चुकी है। बहन की तलाश जारी है। इस बीच, हादसे से पहले के 4 वीडियो भी सामने आए हैं। इनमें श्रद्धालु ढोलक-मंजीरा बजा रहे हैं। भक्ति भाव में डूबे श्रद्धालु राधे-राधे के जयकारे लगा रहे हैं। 'नजर सांवरे लग न जाए कहीं..' भजन गा रहे हैं। इससे पहले, सर्चिंग अभियान के दूसरे दिन यानी शनिवार को पंजाब निवासी मानिक टंडन का शव देवरहा बाबा घाट के पास से बरामद हुआ था। उनकी सगाई हो चुकी थी और सितंबर में

शादी होनी थी। बेटे की लाश देखकर बुजुर्ग पिता फफक पड़े। शुक्रवार दोपहर 3 बजे 38 श्रद्धालुओं से भरी नाव पलट गई थी। हादसा श्री बांके बिहारी मंदिर से 2 किमी दूर केसी घाट पर हुआ था।

नाविक बोले- इतना दर्दनाक हादसा कभी नहीं हुआ

हादसे के बाद नावों का संचालन बंद है। पीढ़ियों से नाव चलाने वाले बाबूलाल ने बताया उनकी याद में इतना दर्दनाक हादसा नहीं हुआ। खुद ही हम सभी नाविकों ने वोट न चलाने का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि मशीन से गाद हटाई जा रही थी, इसलिए पुल को खोल दिया गया था। इस वजह से पुल से नाव टकराई। हादसा हो गया।

मृतक ऋषभ की मां टीचर, संकीर्तन मंडली से जुड़ा था

हादसे में जान गंवाने वाले पंजाब के ऋषभ शर्मा के पिता उमेश शर्मा की स्पेयर पार्ट्स की दुकान है। वहीं माता DAV स्कूल जगराओं में टीचर है। दादा बिजली विभाग से JE के पद से रिटायर हैं।

12वीं कक्षा के बाद से ही ऋषभ ने काम करना शुरू कर दिया था। वह संकीर्तन मंडली से जुड़ा था। ऋषभ पिता के साथ दुकान में काम में भी हाथ बंटाता था। उसका क्रिकेट के प्रति गहरा लगाव था। चंडीगढ़ में इसकी प्रोफेशनल ट्रेनिंग भी ली थी।

चंदौसी के व्यापारियों ने गोवर्धन में किया देशी घी का भंडारा

तमसा संकेत, संवाददाता

गोवर्धन। चंदौसी के व्यापारियों द्वारा पावन तीर्थ नगरी गोवर्धन में श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ देशी घी का भंडारा आयोजित किया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं एवं परिक्रमा कर रहे भक्तों को प्रेमपूर्वक प्रसाद वितरित किया गया। भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया और आयोजन की सराहना की। आयोजकों ने बताया कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजनों से समाज में सेवा, सहयोग और आध्यात्मिक भावना को बढ़ावा मिलता है। कार्यक्रम के दौरान गोवर्धन परिक्रमा मार्ग पर भक्ति का माहौल देखने को मिला। व्यापारियों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि और देश की उन्नति की कामना की। आयोजन में चंदौसी के अनेक व्यापारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे, जिन्होंने सेवाभाव के साथ भंडारे को सफल बनाया। इस दौरान कमल अग्रवाल, संदीप अग्रवाल, अजय जैन, अनुज अग्रवाल, पंकज अग्रवाल, महेंद्र वर्मा, अजय अग्रवाल, डॉ. जगदीश श्रीवास्तव, राहुल पाठक, जगन्नाथ खुराना, गुरुवत सिंह, डॉ. पीयूष राघव, डॉ. अनिल चौहान आदि मौजूद रहे।

फास्ट न्यूज

बरेली पुलिस में 'नो मिसबिहेवियर' नीति लागू

बरेली। बरेली में पुलिस विभाग ने अनुशासन और व्यवहार को लेकर सख्त रुख अपनाया है। नवाबगंज थाने में तैनात इंस्पेक्टर क्राइम जयपाल सिंह को गलत व्यवहार के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई एसएसपी अनुराग आर्य के निर्देश पर की गई, जिससे विभाग में साफ संदेश गया है कि गलत व्यवहार पर तत्काल कार्रवाई होगी। सूत्रों के अनुसार, इंस्पेक्टर जयपाल सिंह के व्यवहार को लेकर लगातार शिकायतें मिल रही थीं।

9 ट्रांसफार्मर चोरी, एसडीओ दोषी पाए गए

गाजीपुर। गाजीपुर में बिजली विभाग के एसडीओ प्रमोद यादव को ट्रांसफार्मर चोरी के मामले में दोषी पाया गया है। इस मामले में दो संविदा लाइनमैन को तत्काल बर्खास्त कर दिया गया है, जबकि एसडीओ के खिलाफ कार्रवाई के लिए रिपोर्ट भेजी गई है। यह मामला जंगीपुर विद्युत वितरण खंड से जुड़ा है, जहां एसडीओ प्रमोद यादव के कार्यकाल के दौरान क्षेत्र से लगभग 9 ट्रांसफार्मर गायब हो गए थे। मामले ने तब तूल पकड़ा जब प्रदेश के ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने गाजीपुर दौरे के दौरान महरौर विद्युत उपकेंद्र का औचक निरीक्षण किया।

पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती के लिए रेलवे स्टेशन पर चेन पुलिंग कर रोकी गई ट्रेन

तमसा संकेत, एजेंसी

झांसी। झांसी से नई दिल्ली जा रही पंजाब मेल को पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती के लिए चेन पुलिंग कर रोकना पड़ा। ट्रेन छूटने की स्थिति बनने पर अधिकारियों में हड़कंप मच गया और आनन-फानन में रेलवे प्रशासन से संपर्क कर ट्रेन को रुकवाया गया। बताया गया कि उमा भारती के ट्रेन में सवार होने के बाद ही पंजाब मेल को आगे रवाना किया गया।

इस दौरान ट्रेन करीब 5 मिनट तक स्टेशन पर रुकी रही। मीडिया से बातचीत में उमा भारती ने इस पूरे घटनाक्रम के लिए रेलवे स्टेशन की अव्यवस्था को जिम्मेदार ठहराया।

उन्होंने बताया कि वह दोपहर 2:18 बजे झांसी रेलवे स्टेशन पहुंच गई थीं, जबकि ट्रेन 2:23 बजे थी। उन्होंने कहा कि वह खुद तेजी से (एस्केलेटर से) प्लेटफॉर्म की ओर जा रही थीं, लेकिन अधिकारियों ने उन्हें ई-कार्ट से जाने के लिए कहा।

इसी दौरान रास्ते में एक अन्य ट्रेन गुजरने लगी, जिससे उन्हें करीब पांच मिनट तक रुकना पड़ा।

इसके बाद सामने से एक हाथ ठेला निकलने लगा, जिससे और देरी हो गई।

उमा भारती ने कहा कि यह पूरी घटना रेलवे की अव्यवस्था का परिणाम है। उन्होंने कहा कि इस मामले को लेकर वह रेल मंत्री से बात करेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि मथुरा, झांसी और ललितपुर समेत कई स्टेशनों पर ऐसी समस्याएं देखने को मिलती हैं, जिससे खासकर बुजुर्ग और दिव्यांग यात्रियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि रेलवे में आधुनिक सुविधाएं तो बढ़ी हैं, लेकिन उनमें संवेदनशीलता की कमी दिखाई देती है।

उन्होंने आरोप लगाया कि यात्रियों की सुविधा और समय की अहमियत को नजरअंदाज किया जा रहा है। इस घटना के बाद रेलवे की व्यवस्थाओं और वीआईपी मूवमेंट के दौरान अपनाए जाने वाले प्रोटोकॉल पर भी सवाल खड़े हो गए हैं।

अब देखना होगा कि इस मामले में रेलवे प्रशासन क्या कदम उठाता है।

महिलाओं ने पढ़ा हनुमान चालीसा

सेंट्रल मार्केट के बाहर धरने पर बैठीं, कहा- हनुमान जी आवास विकास की बुद्धि सही करें

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। मेरठ की सेंट्रल मार्केट में सुप्रीम कोर्ट के सीलिंग अभियान और 859 आवासीय भूखंडों में सेटबैक छोड़ने के आदेश के खिलाफ चौथे दिन भी विरोध जारी रहा। व्यापारी और स्थानीय निवासी बड़ी संख्या में मार्केट में टेंट लगाकर धरने पर बैठ गए। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जब तक आदेश में संशोधन नहीं होता, वे यहीं डटे रहेंगे। रविवार को व्यापारियों ने परिवार सहित हनुमान चालीसा का पाठ शुरू कर दिया है। महिलाओं का कहना है कि संकट कटे मिटे सब पीरा, जो सुमिरे हनुमत बलवीरा। सरकार और आवास विकास से हमारी सुनवाई नहीं हो रही तो अब बजरंग बली ही हमारी सुरक्षा करें। आवास विकास की बुद्धि सही करें। 6 अप्रैल सोमवार को हुई सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने 44 संपत्तियों को जल्द से जल्द सील

करने का आदेश दिया। जिस दौरान बुधवार को आवास विकास की टीम यह सीलिंग कार्रवाई करने पहुंची, तो व्यापारियों ने इसका विरोध करते हुए कहा कि यदि यही कार्रवाई करनी थी, तो हमसे वह 70 करोड़ रुपए क्यों वसूला गया। आवास विकास ने सुप्रीम कोर्ट में यह बात क्यों नहीं बताई कि हमने व्यापारियों से 70 करोड़ रूपया भू उपयोग बदलवाने के नाम पर भी ले लिया है। जिस पर आवास विकास के अधिकारियों ने तो कुछ नहीं बताया, लेकिन एडीएम सिटी बृजेश कुमार सिंह ने स्पष्टीकरण देते हुए बताया कि वह पूरा मामला अलग है। सीलिंग की पूरी कार्रवाई अलग है।

हिंदूवादी नेता सचिन सिरोही भी बाजार में पहुंचे हैं। उन्होंने व्यापारियों के हक में बोलते हुए कहा कि व्यापारियों को उनकी दुकानें वापस मिलें इसके लिए दिल्ली तक पैदल यात्रा करेंगे।

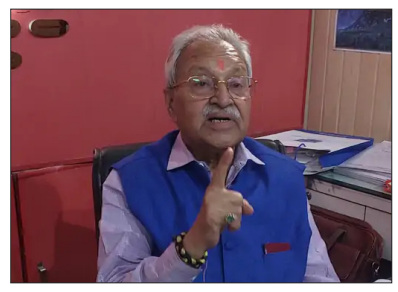

राज्यसभा सांसद लक्ष्मीकांत बाजपेयी ने कहा- अभी भी समाधान की आशा की किरण दिख रही है।

मेन खरीदारी के दिन भी बाजार ठप

रविवार को मार्केट का मुख्य दिन होता है। ऐसे में आज सेंट्रल मार्केट की आधा से ज्यादा दुकानें बंद हैं। जो कुछ दुकानें खुली भी हैं उन पर ग्राहक नहीं हैं। व्यापारी वहीं जगह-जगह धरने पर बैठ गए हैं। व्यापारियों के परिवारों ने वहां पलायन के पोस्टर लगाए हैं और सरकार से रहम की गुहार कर रहे हैं। सेंट्रल मार्केट में 32 डिग्री तापमान में छोटे बच्चे भी हाथों में पलायन के पोस्टर लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं।

रेलवे टेक्नीशियन की बेटी के पास मिली संदिग्ध लिक्विड की शीशी, पुलिस जांच में जुटी

कोचिंग न जाने पर मां की डांट से आहत छात्रा ने दी जान

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर के रेलबाजार क्षेत्र में एक 14 वर्षीय छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों के मुताबिक कोचिंग न जाने पर मां की फटकार से आहत होकर बच्ची ने मच्छर मारने वाला लिक्विड पी लिया। हालत बिगड़ने पर उसे पहले निजी अस्पताल और फिर हैलट ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है। रेल बाजार थाना क्षेत्र की लोको कॉलोनी निवासी शैलेन्द्र शुक्ला रेलवे में सीनियर टेक्नीशियन हैं। परिवार में पत्नी सहल शुक्ला, बेटी आर्या (14) और बेटा शाश्वत हैं। पिता के अनुसार, शनिवार शाम करीब 5 बजे आर्या को कोचिंग जाना था, लेकिन उसने मना कर दिया। इस पर मां ने उसे डांट दिया। इसके बाद वह नाराज होकर अपने कमरे में चली गई। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार, किशोरावस्था में बच्चों की भावनाएं बेहद संवेदनशील होती हैं। ऐसे में डांट-फटकार के बजाय संवाद और समझदारी से बात करना जरूरी है।

काफी देर बाद अचेत मिली, पास में लिक्विड की शीशी

काफी देर तक कमरे से बाहर न आने पर मां उसे बुलाने पहुंचीं। दरवाजा खोलने पर छात्रा बेड पर अचेत अवस्था में मिली। पास में एक खाली लिक्विड की शीशी पड़ी थी। परिजन तुरंत उसे नजदीकी निजी अस्पताल ले गए, जहां से उसे हैलट रेफर किया गया। हैलट पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस जांच में जुटी, पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस को कमरे से एक खाली लिक्विड की बोतल मिली है।

थाना प्रभारी के अनुसार, परिजनों ने बताया है कि मां की फटकार के बाद बच्ची ने यह कदम उठाया।

फिलहाल पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। ताकि बच्चे मानसिक दबाव में कोई गलत कदम न उठाएं।

मुरादाबाद में महिला ने खाया जहर

मुरादाबाद। मुरादाबाद के गलशहीद थाना क्षेत्र के असालतपुरा मोहल्ले में एक महिला ने घरेलू विवाद के बाद जहरीला पदार्थ खा लिया। उसकी हालत बिगड़ने पर परिजनों ने उसे तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज जारी है। जानकारी के अनुसार, असालतपुरा निवासी महक का देर रात अपने पति ओबामा से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था।

सोनार समागम महापंचायत में उठी राजनीतिक भागीदारी की मांग

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। रविन्द्रालय में आयोजित 'सोनार समागम महापंचायत' एवं स्नेह मिलन समारोह में स्वर्णकार समाज ने राजनीतिक हिस्सेदारी और सामाजिक पहचान की मजबूत मांग उठाई। वक्ताओं ने कहा कि आजादी के 79 वर्ष बाद भी स्वर्णकार समाज को उसकी जनसंख्या के अनुपात में राजनीतिक प्रतिनिधित्व नहीं मिल सका है। देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देने के बावजूद समाज केवल वोटर बनकर रह गया है।कार्यक्रम का शुभारंभ संत नरहरिदास जी महाराज और महाराजा अजमीढ़ जी के चित्रों पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन से हुआ। इसमें प्रदेश भर से आए स्वर्णकार संगठनों के प्रतिनिधियों और विभिन्न राजनीतिक दलों से जुड़े पदाधिकारियों ने भाग लिया। वक्ताओं ने कहा कि बीएनएस की धाराओं की आड़ में स्वर्णकार समाज का पुलिसिया उत्पीड़न हो रहा है, जिसे रोकने और सोने-चांदी के व्यापार को सुरक्षित करने की आवश्यकता है। समारोह में यह भी चेतावनी दी गई कि यदि राजनीतिक दलों ने स्वर्णकार समाज को जनसंख्या के अनुपात में प्रतिनिधित्व नहीं दिया, तो समाज पंचायत से लेकर लोकसभा चुनाव तक अपने निर्णय स्वतंत्र रूप से लेने को बाध्य होगा।मध्य प्रदेश की तर्ज पर उत्तर प्रदेश में स्वर्ण कला बोर्ड के गठन की मांग उठाई। साथ ही ज्वैलरी व्यवसायियों की सुरक्षा के लिए शस्त्र लाइसेंस दिलाने हेतु प्रयास करने की बात कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता बीएल सोनी ने की और संचालन अधिवक्ता सुषमा सोनी व कुन्दनलाल वर्मा ने किया। कार्यक्रम में मथुरा जनपद से अखिल भारतीय स्वर्णकार जनजागृति एसोसिएशन के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी सुजीत वर्मा के नेतृत्व में सैकड़ों स्वजातीय बंधुओं ने भाग लिया।सुजीत वर्मा ने कहा कि स्वर्णकार समाज अपने अधिकारों के लिए अब जागरूक हो चुका है।

पृष्ठ 01 का शेष...

डोनाल्ड ट्रम्प ने ...

ट्रम्प ने यह भी कहा कि अमेरिकी नौसेना उन जहाजों को भी रोकेगी जिन्होंने ईरान को कोई टोल दिया है। साथ ही उन्होंने दावा किया कि इस इलाके में लगाई गई समुद्री बारूदी सुरंगों को भी हटाया जाएगा। उन्होंने सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि अगर ईरान या उसकी ओर से कोई हमला होता है, तो अमेरिका उसका कड़ा जवाब देगा। उन्होंने ईरान पर आरोप लगाया कि वह इस रास्ते के जरिए दुनिया से जबरन पैसे वसूलने की कोशिश कर रहा है। अमेरिका इस तरह के दबाव को कभी नहीं मानेगा। ट्रम्प ने यह भी कहा कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम ही इस पूरे विवाद की जड़ है और इसी वजह से देश को भारी नुकसान हुआ है। अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत बेनतीजा रहने के बाद रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान से फोन पर बातचीत की। रिपोर्ट के अनुसार, पुतिन ने कहा कि रूस मिडिल ईस्ट में जारी तनाव को खत्म करने और शांति बहाल करने के लिए हर संभव मदद देने को तैयार है। रूस की तरफ से जारी बयान में कहा गया कि पुतिन ने राजनीतिक और कूटनीतिक रास्ते से इस समस्या का हल निकालने पर जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि रूस एक न्यायपूर्ण और स्थायी शांति के लिए मध्यस्थ की भूमिका निभाने को तैयार है। UAE की सरकारी तेल कंपनी ADNOC के प्रमुख सुल्तान अल जाबेर ने कहा है कि होर्मुज रूट पर सिर्फ ईरान का कंट्रोल नहीं है और वह इसे बंद नहीं कर सकता। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि अगर इस रूट में किसी तरह की रुकावट डाली जाती है, तो इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ेगा। खासकर तेल और गैस की सप्लाई, खाने की चीजें और स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं। सुल्तान अल जाबेर ने चेतावनी दी कि ऐसा कदम एक खतरनाक उदाहरण बन सकता है, जिसे दुनिया के लिए स्वीकार करना मुश्किल होगा। दुनिया इस तरह की स्थिति को झेल नहीं सकती और इसे रोकना जरूरी है। ईरानी संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने इस्लामाबाद में हुई बातचीत खत्म होने के बाद अपना पहला आधिकारिक बयान जारी किया है। उन्होंने कहा कि इस दौर की बातचीत में दूसरा पक्ष (अमेरिका) ईरानी प्रतिनिधियों का भरोसा जीतने में नाकाम रहा। गालिबाफ ने कहा कि बातचीत शुरू होने से पहले ही उन्होंने स्पष्ट कर दिया था कि ईरान की ओर से नीयत और इच्छा दोनों मौजूद हैं, लेकिन पिछले दो युद्धों के अनुभवों की वजह से उन्हें दूसरे पक्ष पर भरोसा नहीं है।

लाल जी टंडन कृत ...

प्रतिनिधियों ने लखनऊ में कराए जा रहे विकास कार्यों के लिए उनका आभार व्यक्त किया। क्षेत्र की अन्य आवश्यकताओं के संबंध में भी चर्चा की और अनुरोध पत्र सौंपे। राजनाथ सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर में शहीद सुनील कुमार की पत्नी सुजाता कुमारी, बेटे सौरभ, शिवेश, निशांत, सुशांत, अखिलेश और परिवार के अन्य सदस्यों से भेंट किया। परिवार का हाल चाल जाना। राजनाथ सिंह का 3 दिवसीय लखनऊ दौरे का आज दूसरा दिन है। पहले दिन 11 अप्रैल को लक्ष्मण मंडपम समेत 58.279 करोड़ की विकास योजनाओं का लोकार्पण किया था। अंतिम दिन सोमवार को 'सांसद खेल महाकुंभ' का उद्घाटन कर युवाओं को खेल के प्रति प्रेरित करेंगे। महामंडलेश्वर अवधेशानंद गिरी ने लालजी टंडन को याद करते हुए उन्हें एक सरल, सौम्य और जनसेवा के लिए समर्पित व्यक्तित्व बताया। उन्होंने कहा कि लालजी टंडन सिर्फ एक राजनेता नहीं थे, बल्कि मानवीय मूल्यों से जुड़े हुए ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने राजनीति को सेवा का माध्यम बनाया। अवधेशानंद गिरी जी महाराज ने उनके जीवन को नैतिकता, संस्कार और समाज के प्रति समर्पण का उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि उनका व्यक्तित्व आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा स्रोत रहेगा। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने लालजी टंडन को याद करते हुए कई दिलचस्प और भावुक किस्से साझा किए। उनके संबोधन के दौरान पूरा सभागार भावुक हो उठा। राजनाथ सिंह ने कहा कि लालजी टंडन न सिर्फ एक कुशल राजनेता थे, बल्कि एक बेहद सरल, स्नेही और जमीन से जुड़े इंसान थे। लालजी टंडन के व्यवहार में हर व्यक्ति के प्रति समान रहता था, चाहे वह कार्यकर्ता हो या बड़ा नेता।

प.बंगाल में ...

चुनाव आयोग ने 9 अप्रैल को बंगाल के लिए SIR की सूची जारी की थी। इसके बाद 91 लाख नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए गए थे। चुनाव आयोग के सूत्रों के मुताबिक, डेरेक ओ'ब्रायन ने CEC को बोलने से रोका और धमकी दी। वह कोई बात सुन ही नहीं रहे थे। चुनाव आयोग के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) के दूसरे फेज के तहत शुक्रवार को उत्तर प्रदेश में फाइनल वोटर लिस्ट जारी की गई। इसके पूरा होने के बाद 9 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों की वोटर लिस्ट में कुल 6.08 करोड़ नाम कम हुए हैं। पिछले साल 27 अक्टूबर को SIR शुरू होने से पहले 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कुल मतदाता करीब 51 करोड़ थे। फाइनल लिस्ट के बाद यह संख्या 44.92 करोड़ रह गई। SIR के दूसरे फेज में उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, राजस्थान, छत्तीसगढ़, केरल, गुजरात, मध्य प्रदेश, गोवा समेत पुडुचेरी, अंडमान-निकोबार और लक्षद्वीप की फाइनल वोटर लिस्ट पब्लिश की गई है। उत्तर प्रदेश में SIR की फाइनल लिस्ट में वोटर्स 13% घटकर 13.39 करोड़ रह गए हैं। यानी 2.04 करोड़ नाम कट गए हैं, वहीं पश्चिम बंगाल में भी करीब 91 लाख नाम बाहर हुए।

टीएमसी ने मदरसों के...

लेकिन हमने CAA की मदद से आपको वोटिंग की गारंटी दी है। आम जनता उन्नयन पार्टी (AJUP) के चेयरमैन हुमायूं कबीर ने वायरल वीडियो पर कहा कि स्टिंग में दिखाया गया वीडियो उनका है, लेकिन AI से ऑडियो बदला गया है। उन्होंने दैनिक भास्कर से कहा कि एक व्यक्ति पत्रकार बनकर आया था, उसी ने रिकॉर्ड किया। असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी के कुछ लोग टीएमसी से मिले हैं और पैसों की डील कर रहे हैं। इसलिए वीडियो के बाद ओवैसी ने कुछ नहीं कहा और समर्थन वापस ले लिया। इसकी जानकारी मुझे पत्रकारों से मिली। अब हम खुद किसी पार्टी के पास नहीं जाएंगे, जरूरत पड़ी तो जो समर्थन मांगेगा उसे देंगे। मैं बाबरी मस्जिद कमेटी से भी हट गया हूं। पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में AIMIM प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि उनकी पार्टी को कभी किसी पार्टी से, कभी भाजपा और कभी टीएमसी से जोड़ दिया जाता है। वे अपना काम करते रहेंगे और बंगाल में मुस्लिम समुदाय की निष्ठा पर सवाल उठाने की कोशिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ओवैसी ने कहा कि पिछले 50-60 साल से राज्य में धर्मनिरपेक्ष सरकारें रही हैं, लेकिन इसके बावजूद मुस्लिम समुदाय की स्थिति खराब है। सरकारी आंकड़े भी बताते हैं कि शिक्षा, सामाजिक और आर्थिक स्तर पर हालात कमजोर हैं। तमिलनाडु के रामनाथपुरम में रैली को संबोधित करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने कहा कि तमिलनाडु समेत जिन राज्यों में चुनाव हो रहे हैं, वहां NDA की लहर है। गठबंधन तमिलनाडु में सरकार बनाएगा।

अमरनाथ यात्रा 3 ...

इस रूट से गुफा तक पहुंचने में 3 दिन लगते हैं, लेकिन ये रास्ता आसान है। यात्रा में खड़ी चढ़ाई नहीं है। पहलगाम से पहला पड़ाव चंदनवाड़ी है। ये बेस कैंप से 16 किमी दूर है। यहां से चढ़ाई शुरू होती है। तीन किमी चढ़ाई के बाद यात्रा पिस्सू टॉप पहुंचती है। यहां से पैदल चलते हुए शाम तक यात्रा शेषनाग पहुंचती है। ये सफर करीब 9 किमी का है। अगले दिन शेषनाग से यात्री पंचतरणी जाते हैं। ये शेषनाग से करीब 14 किमी है। पंचतरणी से गुफा सिर्फ 6 किमी रह जाती है। वक्त कम हो, तो बाबा अमरनाथ दर्शन के लिए बालटाल रूट से जा सकते हैं। इसमें सिर्फ 14 किमी की चढ़ाई चढ़नी होती है, लेकिन एकदम खड़ी चढ़ाई है।

डिफेंडिंग चैंपियन को हराया, 60 साल बाद कोई भारतीय मेंस सिंगल्स के फाइनल में पहुंचा

आयुष शेट्टी एशियन बैडमिंटन चैंपियनशिप के फाइनल मे

इतिहास

झेजियांग, एजेंसी

रतीय बैडमिंटन के युवा सितारे आयुष शेट्टी ने एशियन बैडमिंटन चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया है। उन्होंने मेंस सिंगल्स कैटेगरी के फाइनल में जगह बनाकर 60 साल का लंबा इंतजार खत्म कर दिया है। आयुष से पहले यह उपलब्धि भारत के दिनेश खन्ना ने 1965 में हासिल की थी, जब उन्होंने न सिर्फ फाइनल खेला बल्कि गोल्ड मेडल भी जीता था। गौरतलब है कि दोनों खिलाड़ी पिछले साल आर्कटिक ओपन में

आयुष ने सेमीफाइनल में टॉप सीड और डिफेंडिंग चैंपियन कुन्लावत वितिदसर्न को तीन गेम में हराया।

आमने-सामने आए थे, जहां वितिदसर्न ने सीधे गेम में जीत दर्ज की थी। लेकिन इस बार आयुष ने अपने खेल में सुधार दिखाते हुए न सिर्फ हार का बदला लिया बल्कि फाइनल का टिकट भी हासिल किया। आयुष का सफर इस टूर्नामेंट में बेहद प्रभावशाली रहा है। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी जोनाथन क्रिस्टी को 23-21, 21-17 से हराया। इसके अलावा उन्होंने चीनी ताइपे के चिन यू जेन और चीन के ली शी फेंग जैसे मजबूत खिलाड़ियों को भी मात दी। आयुष शेट्टी का यह सफर अचानक नहीं आया, बल्कि उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में लगातार शानदार प्रदर्शन किया है।क्वार्टर फाइनल में उन्होंने इंडोनेशिया के दिग्गज और वर्ल्ड नंबर-4 खिलाड़ी जोनाथन क्रिस्टी को 23-21, 21-17 से हराया। यह जीत उनके आत्मविश्वास को नई ऊंचाई देने वाली साबित हुई।इसके अलावा उन्होंने चीनी ताइपे के चिन यू जेन और चीन के ली शी फेंग जैसे मजबूत प्रतिद्वंद्वियों को भी मात देकर अपनी काबिलियत साबित की। अब सभी की नजरें फाइनल मुकाबले पर टिकी हैं, जहां आयुष शेट्टी का सामना चाऊ तियेन चेन और शी यूकी के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा।दोनों ही खिलाड़ी विश्व स्तरीय हैं, ऐसे में फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है। आयुष शेट्टी का यह प्रदर्शन भारतीय बैडमिंटन के लिए एक नई उम्मीद लेकर आया है। युवा उम्र में जिस तरह उन्होंने बड़े-बड़े खिलाड़ियों को हराया है।

सेमीफाइनल में टॉप सीड को दी मात

20 वर्षीय आयुष शेट्टी ने शनिवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में थाईलैंड के दिग्गज खिलाड़ी कुन्लावत वितिदसर्न को कड़े संघर्ष में हराया। यह मुकाबला तीन गेम तक चला, जिसमें आयुष ने 10-21, 21-19, 21-17 से जीत दर्ज की। दुनिया के 25वें नंबर के खिलाड़ी आयुष ने मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन और पेरिस ओलिंपिक ब्रॉन्ज मेडलिस्ट वितिदसर्न के खिलाफ जबरदस्त वापसी करते हुए अपनी मानसिक मजबूती का परिचय दिया। पहला गेम गंवाने के बाद उन्होंने शानदार वापसी की और मैच अपने नाम किया।

दिनेश खन्ना की ऐतिहासिक जीत की याद

भारत के लिए इस चैंपियनशिप में अब तक एकमात्र गोल्ड मेडल दिनेश खन्ना ने 1965 में जीता था। उस समय उन्होंने लखनऊ में खेले गए फाइनल में थाईलैंड के सांगोब रत्तनुसोर्न को हराकर खिताब अपने नाम किया था।

अब खिताब पर नजर

फाइनल में आयुष शेट्टी का मुकाबला चाऊ तियेन चेन और शी यूकी के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा। भारत को अब उम्मीद है कि आयुष इस शानदार फॉर्म को बरकरार रखते हुए देश के लिए ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतेंगे। थाईलैंड के सांगोब रत्तनुसोर्न को हराकर खिताब अपने नाम किया था।

एफ-1 टीम मर्सिडीज के बॉस का फलसफा

कोई सार्थक काम हो और पूरा करने के लिए सपना हो

नई दिल्ली, एजेंसी

फॉर्मूला-1 की दुनिया में मर्सिडीज टीम के बॉस और सीईओ टोटो वोल्फ की कहानी किसी फिल्मी पटकथा से कम नहीं है। 2014 से 2020 तक लगातार सात ड्राइवर्स चैम्पियनशिप जीतने वाली उनकी टीम 2026 में फिर टॉप पर है। सफलता के शिखर पर बैठे वोल्फ मानते हैं कि एक खुशहाल और संतुष्ट जीवन के लिए तीन चीजें सबसे ज्यादा जरूरी हैं- प्यार करने के लिए कोई अपना हो, करने के लिए कोई सार्थक काम हो और पूरा करने के लिए कोई सपना हो खाली बैठना इंसान को नकारात्मकता की ओर ले जाता है और बिना सपनों के इंसान कितनी भी बड़ी कामयाबी हासिल कर ले, वह डिप्रेशन का शिकार हो सकता है। छह बिलियन डॉलर (लगभग 55 हजार करोड़ रुपए) का साम्राज्य चलाने वाले वोल्फ का मानना है कि फॉर्मूला वन सिर्फ मशीनों और डेटा का खेल नहीं है, बल्कि यह इंसानी जज्बातों से गहराई से जुड़ा है। उनका तर्क है कि फैसले डेटा नहीं, बल्कि इंसान लेते हैं। उनकी इस गहरी मानवीय सोच और मजबूत लीडरशिप के पीछे बचपन का कड़ा संघर्ष है। पिता की गंभीर बीमारी के बाद 8-9 साल की उम्र में ही उन पर छोटी बहन की जिम्मेदारी आ गई। आर्थिक तंगी के बावजूद परिवार ने उन्हें एक प्राइवेट स्कूल में भेजा था, लेकिन फीस न भर पाने के कारण अक्सर उन्हें और बहन को क्लास से बाहर कर दिया जाता था।

आईपीएल में लगातार तीन हार के बाद जीती चेन्नई

दिल्ली को 23 रन से हराया, सैमसन का शतक, ओवर्टन को 4 विकेट

नई दिल्ली, एजेंसी

चेन्नई सुपर किंग्स ने IPL के मौजूदा सीजन में पहली जीत हासिल कर ली है। लगातार तीन हार के बाद चेन्नई को यह कामयाबी नसीब हुई है। उसने शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स को 23 रन से हराया। चेपॉक स्टेडियम में DC ने गेंदबाजी चुनी। चेन्नई ने 20 ओवर के बाद 2 विकेट पर 212 रन बनाए। जवाब में दिल्ली 20 ओवर में 10 विकेट पर 189 रन ही बना सकी। जैमी ओवर्टन ने 18 रन देकर 4 विकेट झटके। मैच का स्कोरकार्ड चेन्नई की ओर से संजू सैमसन ने शतकीय पारी खेली। उन्होंने तीसरी टीम से शतक लगाया है। इससे पहले वे राजस्थान से 2 और दिल्ली से एक शतक लगा चुके हैं। संजू को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। दिल्ली की पारी में नंबर-6 पर बल्लेबाजी करने उतरे ट्रिस्टन स्टब्स ने 38 बॉल पर 60 रन की संघर्षपूर्ण पारी खेली, लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। उनकी पारी में 4 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। चेन्नई की टीम सीजन की पहली जीत से पॉइंट्स टेबल के नंबर-9 पर है। वहीं, दिल्ली लगातार दूसरी हार के बाद नंबर-4 पर है। चेन्नई के पास 2 और दिल्ली के पास 4 अंक हैं। दिन का पहला मैच जीतने वाली पंजाब की टीम दूसरे स्थान पर हैं। पंजाब के पास 7 अंक हैं। 213 रन का टारगेट चेज कर रही दिल्ली की टीम 189 रन पर ऑलआउट हो गई। टीम ने आखिरी बॉल पर लुंगी एनगिडी का विकेट गंवाया। इसी के साथ टीम को 23 रन से हार का सामना करना पड़ा। 19वें ओवर की तीसरी बॉल पर दिल्ली ने 8वां विकेट गंवाया। यहां पर ट्रिस्टन स्टब्स 60 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें जैमी ओवर्टन ने नूर अहमद के हाथों कैच कराया। उन्होंने आकिब नबी (4 रन), डेविड मिलर (17 रन) और समीर रिजवी (6 रन) के विकेट लिए।

टॉप पर बरकरार, प्रज्ञानानंदा ने ड्रॉ खेला, टूर्नामेंट के 3 राउंड बाकी

वैशाली ने रूसी खिलाड़ी को हराया

साइप्रस, एजेंसी

भारतीय ग्रैंडमास्टर वैशाली रमेशबाबू ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए FIDE कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के विमेंस वर्ग में एक और बड़ी जीत दर्ज की है। 11वें राउंड में उन्होंने रूस की अलेक्जेंड्रा गोर्याचकिना को हराकर अंक तालिका में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। इस जीत के साथ वैशाली के 11 राउंड के बाद कुल 7 अंक हो गए हैं। वह दूसरे स्थान पर मौजूद खिलाड़ियों से एक अंक आगे हैं, जिससे उनकी स्थिति और मजबूत हो गई है। टूर्नामेंट में अब केवल तीन राउंड शेष हैं, ऐसे में हर मुकाबला निर्णायक साबित हो सकता है। वैशाली का यह प्रदर्शन भारतीय शतरंज के लिए बेहद उत्साहजनक माना जा रहा है। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में आक्रामक और संतुलित खेल का बेहतरीन उदाहरण पेश किया है। यदि वह अपनी बढ़त बनाए रखती हैं, तो उनके पास खिताब जीतने का सुनहरा मौका होगा। हालांकि टूर्नामेंट के अंतिम चरण में उनके पास बेहतर प्रदर्शन कर रैंकिंग सुधारने का मौका अभी भी मौजूद है। FIDE कैंडिडेट्स टूर्नामेंट शतरंज की दुनिया का सबसे प्रतिष्ठित और अहम इवेंट माना जाता है। यह टूर्नामेंट तय करता है कि मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन को अगली चुनौती कौन देगा। इसे शतरंज विश्व चैंपियनशिप का सेमीफाइनल भी कहा जाता है। इस प्रतियोगिता के विजेता को सीधे वर्ल्ड चैंपियन के खिलाफ मुकाबला खेलने का मौका मिलता है।

कैसे होता है टूर्नामेंट?

इसमें दुनिया के टॉप 8 खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं।
सभी खिलाड़ी एक-दूसरे से 2 बार (राउंड-रॉबिन फॉर्मेट) खेलते हैं।
कुल 14 राउंड होते हैं।
हर जीत पर 1 अंक, ड्रॉ पर 0.5 अंक मिलता है।
सबसे ज्यादा पॉइंट्स वाला खिलाड़ी विजेता बनता है।

गुकेश की ऐतिहासिक जीत का जिक्र

गौरतलब है कि पिछले कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में भारत के डी गुकेश ने खिताब जीतकर इतिहास रचा था। उन्होंने फाइनल में चीन के डिंग लिरेन को चुनौती दी थी। इस जीत के साथ गुकेश कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतने वाले भारत के दूसरे खिलाड़ी बने थे। उनसे पहले पांच बार के वर्ल्ड चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने 1995 में यह उपलब्धि हासिल की थी। वहीं ओपन कैटेगरी में भारत के युवा ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने जर्मनी के मथियास ब्लूबाउम के खिलाफ मुकाबला ड्रॉ खेला।

कैंडिडेट्स टूर्नामेंट हर दो साल में होता है और विजेता वर्ल्ड चैंपियन को चुनौती देता है। ओपन कैटेगरी के विजेता का मुकाबला भारत के डी गुकेश से, जबकि विमेंस कैटेगरी की विजेता चीन की जू वेनजुन से होगा।

मनोरंजन

92 की उम्र में सुरों की मलिका का निधन

आशा भोसले नहीं रहीं, तबीयत बिगड़ने पर अस्पताल में थीं भर्ती

मुंबई। सिंगर आशा भोसले का 92 साल की उम्र में निधन हो गया है। रविवार दोपहर मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। उन्हें शनिवार शाम को यहां भर्ती किया गया था। ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल के डॉ. प्रतीत समदानी ने न्यूज एजेंसी PTI को बताया कि आशा भोसले को कई मेडिकल समस्याएं थीं और मल्टी-ऑर्गन फेल्योर के कारण उनका निधन हुआ। डॉ. प्रतीत समदानी ने PTI को बताया कि आशा भोसले को मल्टी ऑर्गन फैल्योर हुआ, यानी उनके कई अंगों ने काम करना बंद कर दिया था। आशा भोसले के बेटे आनंद भोसले ने बताया कि जो लोग अंतिम दर्शन करना चाहते हैं, वे कल सुबह 11 बजे उनके घर आ सकते हैं। अंतिम संस्कार कल शाम 4 बजे शिवाजी पार्क में किया जाएगा।

आरडी बर्मन की मां ने कहा था शादी मेरी लाश पर होगी

आशा भोसले ने दूसरी शादी संगीतकार आरडी बर्मन से की थी। दोनों की पहली मुलाकात 1956 में हुई थी। वहीं, उनकी गहरी दोस्ती और संगीत का सफर फिल्म तीसरी मंजिल (1966) के दौरान शुरू हुआ। फिर लगातार काम करते हुए दोनों की अच्छी दोस्ती धीरे-धीरे प्यार में बदलनी शुरू हुई। आरडी बर्मन ने एक दिन मौका पाकर आशा के सामने शादी का प्रस्ताव रखा। आशा ने तुरंत हां कर दी थी, लेकिन बर्मन की मां ने शादी से साफ इनकार कर दिया। उन्होंने बर्मन से कहा कि अगर ये शादी होगी तो मेरी लाश पर ही होगी। बर्मन की मां इसलिए इनकार कर रही थीं, क्योंकि आशा उनसे 6 साल बड़ी थीं और 3 बच्चों की मां थीं।

ममता बनर्जी ने कहा कि आशा भोसले एक अद्भुत और प्रेरणादायक सिंगर थीं, जिन्होंने पीढ़ियों तक लोगों के दिलों पर राज किया। उन्होंने यह भी कहा कि आशा भोसले ने कई बंगाली गीत भी गाए और बंगाल में भी वह बेहद लोकप्रिय थीं। वर्ष 2018 में उन्हें राज्य के सर्वोच्च नागरिक सम्मान बंग विभूषण से सम्मानित किया गया था। ममता बनर्जी ने उनके परिवार, संगीत जगत और दुनिया भर में मौजूद उनके करोड़ों प्रशंसकों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

देवेंद्र फडणवीस बोले- यह हम सभी के लिए बड़ी क्षति

देवेंद्र फडणवीस ने कहा, 'यह पूरे भारत और दुनिया भर के संगीत प्रेमियों के लिए दुख का क्षण है। वह सबसे बहुमुखी कलाकारों में से एक थीं। संगीत के प्रति उनकी सेवा और मंगेशकर परिवार का योगदान अतुलनीय रहा है। हमने पहले लता दीदी को खोया और आज यह क्षति देख रहे हैं। हम सभी बहुत दुखी हैं। यह हम सभी के लिए एक बड़ी क्षति है। हम शोक संतप्त परिवार के साथ खड़े हैं।' कल सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक लोअर परेल स्थित उनके निवास पर लोग अंतिम दर्शन कर सकेंगे। इसके बाद शाम 4 बजे शिवाजी पार्क श्मशान में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। उन्हें पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी जाएगी।"

आशा भोसले और किशोर कुमार ने एक साथ 600 से अधिक युगल गीत (duet) गाए हैं।

12,000 से ज्यादा गाने गाए

आशा भोसले ने अपने करियर में 14 से अधिक भाषाओं में 12,000 से ज्यादा गाने गाए। उनके गाने 'दम मारो दम', 'पिया तू अब तो आजा' और 'चुरा लिया है तुमने' आज भी सदाबहार हैं। आशा भोसले मशहूर थिएटर एक्टर और क्लासिकल सिंगर दीनानाथ मंगेशकर की बेटी और लता मंगेशकर की छोटी बहन थीं। जब वो सिर्फ 9 साल की थीं।

सलमान की 'मातृभूमि' में चीन का नाम नहीं होगा

मुंबई। सलमान खान की अपकमिंग फिल्म मातृभूमि को लेकर नई खबर सामने आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म में कई बदलाव किए गए हैं ताकि भारत-चीन के बेहतर होते कूटनीतिक संबंधों पर कोई नकारात्मक प्रभाव न पड़े। गौरतलब है कि फिल्म का नाम पहले बैटल ऑफ गलवान रखा गया था, जिसे इस साल बदलकर मातृभूमि कर दिया गया। यह फिल्म 2020 में भारत और चीन के बीच हुए संघर्ष पर आधारित थी। हाल ही में दोनों देशों के रिश्ते बेहतर हुए हैं, इसलिए रक्षा मंत्रालय को फिल्म के कंटेंट को लेकर कुछ आपत्ति थी। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट में बताया गया है कि मंत्रालय के निर्देश के अनुसार फिल्म में चीन का नाम नहीं लिया जाएगा। रिपोर्ट में एक सूत्र के हवाले से कहा गया, "पहले यह फिल्म एक सच्ची घटना से प्रेरित थी, लेकिन रक्षा मंत्रालय के कहने पर सलमान खान और डायरेक्टर अपूर्व लाखिया ने फिल्म को दोबारा शूट किया और कहानी में थोड़ा फिक्शन एंगल जोड़ दिया।

थलापति विजय की फिल्म 'जन नायकन' ऑनलाइन लीक

मुंबई। तमिल सुपरस्टार थलापति विजय की अपकमिंग फिल्म 'जन नायकन' ऑनलाइन लीक होने के बाद इंडस्ट्री में चिंता बढ़ी है। फिल्म की फीमेल लीड एक्ट्रेस पूजा हेगड़े ने इसे दुखद बताया और दर्शकों से इसे थिएटर में देखने की अपील की। पूजा हेगड़े ने इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा कि फिल्म सिर्फ एंटरटेनमेंट नहीं, बल्कि हजारों लोगों की मेहनत, क्रिएटिविटी और त्याग का नतीजा होती है। उन्होंने कहा कि लीक होना तकनीशियन और कलाकार के सम्मान को ठेस पहुंचाता है। उन्होंने फैंस से अपील की कि वे पाइरेसी को बढ़ावा न दें और फिल्म को बड़े पर्दे पर एंजॉय करें। इससे पहले भी कई सेलेब्स, जिनमें रजनीकांत, चिरंजीवी, सूर्या और सिवकार्तिकेयन शामिल हैं, इस लीक पर नाराजगी जता चुके हैं। फिल्म के मेकर्स ने सख्त बयान जारी कर कहा कि यह गंभीर डिजिटल पाइरेसी का मामला है और दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होगी।

मल्टी-ऑर्गन फेल्योर के कारण निधन हुआ

आशा भोषले के निधन पर डॉ. प्रतीत समदानी ने बताया, "यह बहुत दुखद है कि आशा भोसले जी का आज निधन हो गया।

उन्हें कई मेडिकल समस्याएं थीं और मल्टी-ऑर्गन फेल्योर के कारण उनका निधन हुआ।" आशा भोसले के बेटे आनंद भोसले ने बताया, "आज उनका निधन हो गया।

जो लोग अंतिम दर्शन करना चाहते हैं, वे कल सुबह 11 बजे उनके घर आ सकते हैं। अंतिम संस्कार कल शाम 4 बजे शिवाजी पार्क में किया जाएगा।"

साउंड रिकॉर्डिस्ट ने आवाज को खराब बताया था

आशा भोसले ने 50 से 90 के दशक के बीच ओपी नैयर, आरडी बर्मन, खय्याम और बप्पी लहरी जैसे कई संगीतकारों के साथ काम किया।

कई सदाबहार गाने गाए। हालांकि, एक समय ऐसा भी था जब इसी आवाज को खराब बताकर रिकॉर्डिंग स्टूडियो से वापस भेज दिया गया था। आरजे अनमोल के साथ बातचीत में आशा भोसले ने बताया था कि खराब आवाज बताकर उन्हें और किशोर कुमार को रिकॉर्डिंग स्टूडियो से बाहर जाने के लिए कहा गया था।

उन्होंने बताया था कि 1947 में वह किशोर कुमार के साथ जे.बी. रूंगटा के फेमस स्टूडियो में राज कपूर और नरगिस स्टारर फिल्म जान पहचान के लिए गाना रिकॉर्ड करने गई थीं। इस फिल्म के म्यूजिक डायरेक्टर खेमचंद प्रकाश थे। आशा भोसले ने पहला गीत मराठी फिल्म 'माझा बाल' (1943) में 'चला चला नाव वाला' गाया था।

मराठी फिल्म में गाया था पहला गाना

8 सितंबर 1933 को आशा भोसले का जन्म एक संगीत से जुड़े परिवार में हुआ था। उनके पिता पंडित दीनानाथ मंगेशकर एक एक्टर और क्लासिकल सिंगर थे। आशा भोसले स्वर कोकिला लता मंगेशकर की छोटी बहन थीं। आशा भोसले जब नौ साल की थीं, तभी उनके पिता का निधन हो गया था। इसके बाद उनकी फैमिली पुणे से कोल्हापुर और बाद में मुंबई आ गई। बड़ी बहन लता मंगेशकर के पद्चिन्हों पर चलते हुए वह भी संगीत की दुनिया में आईं। आशा भोसले ने पहला गीत मराठी फिल्म 'माझा बाल' (1943) में 'चला चला नाव वाला' गाया था। जबकि बॉलीवुड में उनका पहला गाना 'चुनरिया (1948)' फिल्म में 'सावन आया' था।

16 साल की उम्र में भागकर शादी की थी

16 साल की उम्र में आशा भोसले ने बड़ी बहन लता के 31 साल के सेक्रेटरी गणपतराव भोसले से भागकर शादी की थी। लता जी और उनका परिवार इस शादी के सख्त खिलाफ था। इसके कारण उन्होंने आशा से लंबे समय तक बातचीत बंद कर दी थी। शादी के बाद आशा भोसले को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा और वह घरेलू हिंसा का शिकार भी हुईं। वह जिंदगी से इतनी निराश हो गई थीं कि खुद को खत्म करना चाहती थीं। 1960 में वह पहले पति से अलग हो गईं।

"आशा भोसले और किशोर कुमार ने गाना शुरू किया। इसके बाद साउंड रिकॉर्डिस्ट रॉबिन चटर्जी ने बंगाली में कहा था कि आप लोगों की आवाज माइक में अच्छी नहीं लग रही है। किशोर कुमार समझ गए क्योंकि वह बंगाली जानते थे। उन्होंने आशा भोसले से कहा कि कुछ गड़बड़ है।

दक्षिण कोरिया में आग से जले दो फायरफाइटर्स की मौत, हंगरी में आम चुनाव के लिए हुआ मतदान

मातम और मिडिल ईस्ट में बढ़ता तनाव

विदाई

सियोल, एजेंसी

लेबनान में शोक और गुस्से का माहौल उस समय और गहरा गया, जब इस्राइली हवाई हमले में मारे गए 13 लेबनानी सुरक्षा अधिकारियों को अंतिम विदाई दी गई। इस दौरान महिलाएं काले कपड़ों में चीख-पुकार कर रहीं थी और छोटे बच्चे अपने पिता और रिश्तेदारों को पुकारते हुए बिलख रहे थे। अंतिम संस्कार के दौरान हर ओर दुख और पीड़ा का दृश्य था। वर्दीधारी सुरक्षाकर्मी भी अपने साथियों को याद कर फूट-फूटकर रो पड़े। पिछले एक सप्ताह में लेबनान के विभिन्न हिस्सों में ऐसे सैकड़ों अंतिम संस्कार हो चुके हैं, क्योंकि इस्राइल ने ईरान समर्थित हिजबुल्ला के ठिकानों और लड़ाकों के खिलाफ हमले तेज कर दिए हैं।

इस्राइल-हिजबुल्ला संघर्ष में अब तक लेबनान में 2,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि हजारों लोग घायल हुए हैं। शुक्रवार को दक्षिणी शहर नबातियेह में सुरक्षा बलों के मुख्यालय पर हुए इस्राइली हवाई हमले में कई सुरक्षा अधिकारियों की मौत हुई है। यह हमला ऐसे समय हुआ, जब इससे महज दो दिन पहले बेरूत समेत अन्य इलाकों में हुए इस्राइली हमलों में 350 से अधिक लोगों की जान गई थी, जो लेबनान के इतिहास के सबसे घातक हमलों में से एक माना जा रहा है। इराक की संसद ने शनिवार को कुर्द नेता निजार अमीदी को देश का नया राष्ट्रपति चुन लिया। यह चुनाव संसदीय चुनाव के पांच महीने बाद हुआ, जब किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला था। अमीदी की नियुक्ति तब हुई है।

इस्राइल-लेबनान बातचीत टली

लेबनान और इस्राइल, जिनके बीच औपचारिक कूटनीतिक संबंध नहीं हैं, दशकों में पहली बार अगले सप्ताह अमेरिका में प्रत्यक्ष वार्ता शुरू करने की तैयारी कर रहे थे। हालांकि अब यह बातचीत टल गई है। दरअसल इस बातचीत के खिलाफ लेबनान में सरकार विरोधी प्रदर्शन तेज हो गए। जिससे प्रधानमंत्री नवाफ सलाम पर दबाव बढ़ा है। अब मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि लेबनान की सरकार के प्रतिनिधि अब इस्राइल के साथ बातचीत के लिए अमेरिका नहीं जाएंगे। हालांकि अभी दोनों देशों की मुलाकात राजदूत स्तर की होगी।

भारत आएंगे नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह, पीएम मोदी का न्योता किया स्वीकार

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर नेपाल के नवनियुक्त प्रधानमंत्री बालेन शाह भारत की यात्रा पर आएंगे। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि पीएम बालेन शाह ने इस निमंत्रण को खुशी-खुशी स्वीकार कर लिया है। यह दौरा दोनों देशों के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक और व्यापारिक रिश्तों को और भी मजबूती देने के इरादे से देखा जा रहा है। पूर्व रैपर और स्ट्रक्चरल इंजीनियर 35 वर्षीय बालेन काठमांडो के मेयर के रूप में अपनी धाक जमाने के बाद हालिया चुनावों में शानदार जीत हासिल की। उनकी यह पहली आधिकारिक भारत यात्रा होगी।

पाकिस्तान बोला- अमेरिका-ईरान शांति वार्ता में मध्यस्थता जारी रहेगी; युद्धविराम मानने का किया आग्रह

पाकिस्तान ने रविवार को कहा कि वह अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता को सुगम बनाना जारी रखेगा। इसके साथ ही दोनों पक्षों से युद्धविराम का पालन करने का आग्रह किया। अमेरिका और ईरान के बीच लंबी बातचीत बिना किसी सफलता के समाप्त होने के बाद मीडिया को दिए एक संक्षिप्त बयान में उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने कहा कि पाकिस्तान ने पिछले 24 घंटों में कई दौर की गहन और रचनात्मक चर्चाओं में मध्यस्थता करने में मदद की है। उन्होंने कहा, "मैंने फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के साथ मिलकर दोनों पक्षों के बीच गहन और रचनात्मक वार्ता के कई दौरों में मध्यस्थता करने में मदद की, जो पिछले 24 घंटों तक जारी रही और आज सुबह समाप्त हुई।

डीजल पर एक्सपोर्ट ड्यूटी 34 बढ़ी

अब 55.5 प्रति लीटर टैक्स लगेगा, जेट फ्यूल का एक्सपोर्ट भी 42 महंगा

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार ने डीजल और एयर टर्बाइन फ्यूल (ATF) पर एक्सपोर्ट ड्यूटी यानी विंडफाल टैक्स बढ़ा दिया है। डीजल पर निर्यात शुल्क 34 प्रति लीटर बढ़ाकर 55.5 कर दिया गया है, जो पहले 21.5 था। वहीं, ATF यानी जेट फ्यूल पर ड्यूटी 29.5 से बढ़ाकर 42 प्रति लीटर कर दी गई है। वित्त मंत्रालय ने शनिवार (11 अप्रैल) को नोटिफिकेशन जारी कर नई दरें तत्काल प्रभाव से लागू कर दी हैं। वहीं, पेट्रोल पर एक्सपोर्ट ड्यूटी फिलहाल शून्य ही रहेगी। हाल ही में पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में जो 10-10 की बड़ी कटौती की थी, उसका फायदा आम जनता को मिलता रहेगा। सरकार ने ये फैसला देश में पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर रखने के लिए लिया है। यह कदम

उन आशंकाओं को दूर करता है जिनमें कहा जा रहा था कि मिडिल ईस्ट में चल रहे युद्ध के कारण कच्चा तेल महंगा होने से भारत में पेट्रोल-डीजल महंगा हो सकता है। इसका मुख्य उद्देश्य घरेलू बाजार में फ्यूल की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें बढ़ती हैं, तो तेल कंपनियां ज्यादा मुनाफा कमाने के लिए विदेशों में फ्यूल बेचना शुरू कर देती हैं। एक्सपोर्ट ड्यूटी बढ़ाने से निर्यात महंगा हो जाता है, जिससे कंपनियां घरेलू बाजार में सप्लाई देने को प्राथमिकता देती हैं।

फास्ट न्यूज

टाटा संस की लिस्टिंग के पक्ष में आए शापूरजी मिस्त्री

नई दिल्ली। शापूरजी पलोनजी (SP) ग्रुप के चेयरमैन शापूरजी पलोनजी मिस्त्री ने एक बार फिर टाटा संस की लिस्टिंग की वकालत की है। शुक्रवार को जारी एक बयान में मिस्त्री ने कहा कि टाटा संस को शेयर बाजार में लिस्ट करना जरूरी है। इससे न केवल ग्रुप में पारदर्शिता यानी ट्रांसपेरेंसी बढ़ेगी, बल्कि गवर्नेंस और जवाबदेही भी मजबूत होगी। बता दें कि टाटा संस में शापूरजी पलोनजी ग्रुप की करीब 18% हिस्सेदारी है।

सीनियर सिटीजंस स्कीम से हर महीने 20,500 तक की कमाई

नई दिल्ली। सरकार ने अप्रैल-जून (Q1FY27) के लिए स्मॉल सेविंग स्कीम्स की ब्याज दरों में बदलाव नहीं किया है। यानी आपको पहले जितना ही ब्याज मिलता रहेगा। अगर आप सीनियर सिटीजन हैं और अपने लिए हर महीने इनकम का इंतजाम करना चाहते हैं तो पोस्ट ऑफिस सीनियर सिटीजंस सेविंग्स स्कीम अकाउंट (SCSS) आपके लिए सही रहेगा। इस स्कीम में एक मुश्त पैसा लगाकर आप अपने लिए रिटायमेंट के बाद भी रेगुलर इनकम का इंतजाम कर सकते हैं। इस पर 8.2% सालाना ब्याज मिल रहा है।

होंडा-निसान घाटे की ओर बढ़ रहीं

पिछले माह होंडा के चीफ मिबे तोशिहिरो नेएक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि कंपनी 1957 के बाद पहली बार घाटा उठाने की ओर बढ़ रही है। उन्होंने नाकामी की जिम्मेदारी लेते हुए अपनी और अपने डिप्टी की तनख्वाह में 30% कटौती की जानकारी दी। हालांकि होंडा गंभीर मुश्किलों का सामना कर रही अकेली जापानी कार कंपनी नहीं है। पिछले सप्ताह मिबेने आगाह किया कि जापान की ऑटोमो-बाइल इंडस्ट्री अस्तित्व के संकट से जूझ रही है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यूएई के डिप्टी पीएम से की मुलाकात

अबू धाबी, एजेंसी

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अबू धाबी में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान से मुलाकात की। इस बैठक में दोनों नेताओं ने क्षेत्र की बदलती स्थिति और उसके प्रभावों पर गहराई से बातचीत की। विदेश मंत्री जयशंकर 9 से 12 अप्रैल तक मॉरीशस और यूएई की चार दिनों की यात्रा पर थे। यह उनके इस दो देशों के दौरे का अंतिम हिस्सा था। शनिवार शाम को हुई इस मुलाकात के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा की। उन्होंने बताया कि बातचीत का मुख्य विषय क्षेत्र में विकसित हो रहे हालात और उनके परिणाम रहे। बैठक के दौरान जयशंकर ने यूएई में रहने

वाले भारतीय समुदाय की भलाई और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वहां के नेतृत्व के प्रयासों की जमकर तारीफ की। उन्होंने भारत की ओर से इसके लिए सराहना व्यक्त की। इसके साथ ही उन्होंने विश्वास जताया कि भारत और यूएई के बीच की व्यापक रणनीतिक साझेदारी आने वाले समय में और भी आगे बढ़ेगी। जयशंकर शनिवार को मॉरीशस की अपनी यात्रा पूरी करने के बाद यूएई पहुंचे थे। मॉरीशस में उन्होंने 9वें हिंद महासागर सम्मेलन में भाग लिया था। उनकी इस यात्रा का उद्देश्य मित्र देशों के साथ भारत के रिश्तों को और मजबूत करना था।

यूएन प्रमुख की रेस में 4 नाम, 2 महिलाएं

जेल में पिटाई, बिजली के झटके सहे, नहीं झुकीं मिशेल, रेबेका ने अनाज संकट से बचाया

न्यूयॉर्क, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र के 80 साल के इतिहास में पहली बार शीर्ष पद पर महिला नेतृत्व की उम्मीद बनी है। मौजूदा प्रमुख एंटोनियो गुटेरेस का कार्यकाल दिसंबर में खत्म होगा। इस बार चार उम्मीदवार शार्ट लिस्ट हुए हैं। इनमें दो महिलाएं मिशेल बैचलेट (74) व रेबेका ग्रिनस्पैन (70) हैं। न्यूयॉर्क में 21-22 अप्रैल को दोनों की डिबेट होगी। मिशेल चिली की पहली महिला राष्ट्रपति रहीं जबकि रेबेका कोस्टा रिका की उप राष्ट्रपति रह चुकी हैं। 1973 में चिली में जनरल ऑगस्टो पिनोशे ने सैन्य तख्तापलट किया, तब मिशेल पैडिएट्रिक्स की पढ़ाई कर रही थीं। उस दौरान राष्ट्रपति सल्वाडोर से करीबी संबंध के चलते मिशेल के परिवार को बंधक बनाकर यातनाएं दी गईं। जेल में हाथ बांध लात-घूसे मारे गए। तब बंदियों को लोहे की ग्रिल

से बिजली के झटके तक दिए जाते। यातनाओं से पिता की मौत के बाद भी मिशेल नहीं झुकीं। स्वास्थ्य मंत्री व रक्षा मंत्री के बाद 2006 में पहली महिला राष्ट्रपति बनीं। तब शॉपिंग के लिए मॉल जाती तो प्रशंसक घेर लेते। उन्होंने डॉक्टरी की पढ़ाई का फैसला क्लीनिक में संसाधनों की कमी से तड़पते मरीज को देखकर ली। मिशेल बैचलेट का जीवन संघर्ष, साहस और नेतृत्व का प्रतीक रहा है। वे चिली की पहली महिला राष्ट्रपति रह चुकी हैं और अंतरराष्ट्रीय राजनीति में एक मजबूत पहचान रखती हैं।1973 में ऑगस्टो पिनोशे के नेतृत्व में हुए सैन्य तख्तापलट के दौरान बैचलेट मेडिकल की पढ़ाई कर रही थीं। उस समय तत्कालीन राष्ट्रपति सल्वाडोर अयेन्दे से उनके परिवार के करीबी संबंधों के चलते उन्हें और उनके परिवार को गंभीर यातनाएं झेलनी पड़ीं।जेल में उनके साथ अमानवीय व्यवहार किया गया—हाथ बांधकर मारपीट, लात-घूसे और यहां तक कि बिजली के झटके तक दिए गए।

रेबेका - एक कॉल से कोस्टा रिका के उपराष्ट्रपति पद तक पहुंची थीं

2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होते ही वैश्विक खाद्य संकट गहराने लगा। यूक्रेन से गेहूं, मक्का, जौ का निर्यात ठप हुआ, दाम बढ़े व भुखमरी का खतरा पैदा हुआ। तब रेबेका यूएन व्यापार-विकास सम्मेलन की महासचिव थीं। उन्होंने मुख्य वार्ताकार बन रूस, तुर्किए व यूक्रेन में बातचीत कराई। नतीजा काला सागर से निर्यात का समझौता हुआ, जिससे 3.3 करोड़ टन अनाज बाजार पहुंचा। कीमतें 23% तक घटीं। उनकी राजनीति 80 के दशक में राष्ट्रपति ऑफिस से एक फोन कॉल से शुरू हुई, जिसने उन्हें आर्थिक सलाहकार बनाया फिर वित्त उप मंत्री होते हुए 1994 में मध्य अमेरिकी देश कोस्टा रिका की उपराष्ट्रपति बनीं।

पिता ने 'सुरक्षा' का दिया हवाला, पुलिस ने पड़ोसियों की सूचना पर किया रेस्क्यू

पिता ने 9 साल के बच्चे को 5 महीने तक वैन में रखा कैद

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्वी फ्रांस के हेगनबैक गांव में पुलिस ने एक 9 वर्षीय लड़के को उसके पिता की यूटिलिटी वैन के अंदर से रेस्क्यू किया था। बच्चे को नवंबर 2024 से लगभग पांच महीने तक वैन में कैद रखा गया था। मेट्रो की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस जब जबरदस्ती वैन खोलकर अंदर पहुंची तो बच्चा पूरी तरह नग्न, गंभीर रूप से कुपोषित और कंबल से ढका हुआ भ्रूण की मुद्रा में लेटा मिला। आसपास कचरे का ढेर और मल-मूत्र फैला हुआ था। लंबे समय तक सीमित जगह में रहने के कारण बच्चा चलने-फिरने की क्षमता लगभग

पूरी तरह खो चुका था। जब वैन के अंदर से बच्चे के रोने की आवाजें आने लगीं, तब पड़ोसियों ने पुलिस को सूचित किया। वाहन हेगनबैक गांव में स्विट्जरलैंड और जर्मनी की सीमाओं के निकट खड़ा था। पूछताछ के दौरान पिता ने पुलिस को बताया कि उसने बच्चे को अपनी पार्टनर से बचाने के लिए वैन में कैद किया था। उसकी पार्टनर बच्चे को मनोरोग केंद्र में भर्ती कराना चाहती थी। हालांकि, अभियोजकों ने स्पष्ट किया कि बच्चे को किसी भी प्रकार की मानसिक समस्या होने का कोई चिकित्सीय प्रमाण नहीं मिला। जांचकर्ताओं के अनुसार, बच्चा पहले स्कूल में अच्छा प्रदर्शन कर रहा था। पिता दिन में दो बार बच्चे के लिए खाना लाता था और पानी की बोतलें छोड़ जाता था। बच्चे को प्लास्टिक की बोतलों और कचरे की थैलियों में शौच करने के लिए मजबूर किया जाता था। नवंबर 2024 के बाद बच्चे ने एक बार भी स्नान नहीं किया था। CCTV फुटेज में पिता को दिन में दो बार वैन के पास जाते और अंदर चीजें फेंकते देखा गया है।

पिता पर कानूनी कार्रवाई

पिता पर अपहरण, अवैध कैद और नाबालिग को भोजन तथा देखभाल से वंचित रखने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। वह अभी पुलिस हिरासत में है। पिता की पार्टनर ने दावा किया है कि उसे इस बारे में कोई जानकारी नहीं थी। उसके खिलाफ खतरे में पड़े नाबालिग की मदद न करने का आरोप लगाया गया है और उसे न्यायिक निगरानी में रिहा कर दिया गया है। लड़के की 12 वर्षीय बहन और पार्टनर की 10 वर्षीय बेटी को सोशल सर्विसेज की देखरेख में रखा गया है। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि क्या परिवार के अन्य सदस्यों या आसपास के लोगों को बच्चे की लंबी कैद के बारे में जानकारी थी।

कैद की अमानवीय स्थिति ने झकझोरा

जांच में सामने आया कि पिता दिन में सिर्फ दो बार बच्चे के लिए खाना और पानी छोड़ने आता था। बच्चे को शौच के लिए प्लास्टिक की बोतलों और कचरे की थैलियों का इस्तेमाल करने के लिए मजबूर किया जाता था। नवंबर 2024 के बाद बच्चे ने एक बार भी स्नान नहीं किया था। CCTV फुटेज में पिता को रोजाना वैन के पास आते और अंदर सामान फेंकते हुए देखा गया है। बच्चे की अनुपस्थिति छिपाने के लिए स्कूल को बताया गया कि उसका दाखिला दूसरे स्कूल में हो गया है, जबकि परिवार के सदस्यों को यह बताया गया कि वह किसी मनोरोग संस्थान में भर्ती है। जांचकर्ताओं के अनुसार, लड़के ने अपने पिता की पार्टनर के साथ कठिनाइयों का जिक्र किया, लेकिन पिता के कार्यों को सही ठहराते हुए कहा कि उनके पास कोई और विकल्प नहीं था।

ईरान-अमेरिका वार्ता बेनतीजा रहने से दबाव में बाजार

इस हफ्ते विदेशी निवेशकों की एक्टिविटी, ग्लोबल मार्केट की चाल पर भी रहेगी नजर

मुंबई, एजेंसी

ईरान-अमेरिका वार्ता में कोई ठोस समझौता न होने से 13 अप्रैल से शुरू होने वाले हफ्ते में बाजार में तेज उतार-चढ़ाव दिख सकता है। कच्चे तेल की अस्थिर कीमतें, विदेशी निवेशकों की एक्टिविटी और ग्लोबल मार्केट की चाल भी बाजार की दिशा तय करने वाले मुख्य कारण होंगे। शेयर बाजार के लिए पिछला हफ्ता फरवरी 2021 के बाद सबसे बेहतरीन रहा। ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत से तनाव कम होने की उम्मीद में निफ्टी 6% की मजबूती के साथ 24,050 के स्तर पर बंद हुआ। अब क्या बाजार इस बढ़त को बरकरार रख पाएगा। मिड-ईस्ट में तनाव कम करने के लिए ईरान और अमेरिका के बीच पाकिस्तान में चल रही 21 घंटे की लंबी बातचीत बिना किसी समझौते के खत्म हो गई है। अमेरिकी उपरा-ष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि वे बिना किसी डील के वापस लौट रहे हैं।

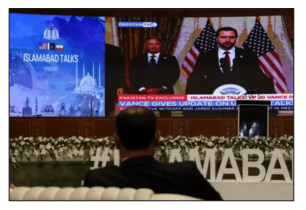

इसका सीधा असर सोमवार को बाजार और कच्चे तेल की कीमतों पर दिख सकता है। अगर क्रूड की कीमतें बढ़ती हैं, तो इससे भारतीय बाजार पर दबाव बढ़ेगा। फिलहाल ब्रेंट क्रूड 95.20 डॉलर प्रति बैरल के आसपास है। बाजार की नजर इस हफ्ते आने वाले चौथी तिमाही (Q4) के नतीजों पर भी रहेगी। BSE में लिस्टेड करीब 50 कंपनियां अपने नतीजे पेश करेंगी। निफ्टी की दिग्गज कंपनियों में विप्रो, HDFC बैंक और ICICI बैंक के परिणाम सबसे महत्वपूर्ण होंगे। इसके अलावा बैंकिंग और फाइनेंशियल सेक्टर की कई अन्य कंपनियां जैसे यस बैंक, एंजल वन और HDFC लाइफ के नतीजे भी इसी हफ्ते आने हैं।

बढ़त : बीते हफ्ते एचडीएफसी बैंक को सबसे ज्यादा फायदा, सेंसेक्स 4,230 अंक चढ़ा

टॉप-10 कंपनियों में से 8 की वैल्यू 4.13 लाख-करोड़ बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी

पिछले हफ्ते शेयर बाजार में रही तेजी के कारण देश की टॉप-10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से 8 के मार्केट कैपिटलाइजेशन (मार्केट कैप) में कुल 4,13,003.23 करोड़ रुपए का इजाफा हुआ है। इस बढ़त में सबसे आगे बैंकिंग सेक्टर की कंपनियां HDFC बैंक और ICICI बैंक रहीं। बाजार में यह उछाल कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और ग्लोबल संकेतों के कारण देखने को मिला है। पिछले कारोबारी हफ्ते में BSE सेंसेक्स 4,230.7 अंक यानी 5.77% की बढ़त के साथ बंद हुआ, वहीं

निफ्टी में भी 1,337.5 अंक (5.88%) की तेजी रही। मुनाफा कमाने वाली कंपनियों में HDFC बैंक टॉप पर रहा। बैंक की मार्केट वैल्यू 91,282.67 करोड़ रुपए बढ़कर अब 12,47,478.57 करोड़ रुपए हो गई है। इसके बाद ICICI बैंक का नंबर आता है, जिसकी वैल्यू में 76,036.36 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई और यह 9,46,741.85 करोड़ रुपए पर पहुंच गई है। बजाज फाइनेंस ने भी निवेशकों को खुश किया और इसकी वैल्यू 60,980.35 करोड़ रुपए बढ़कर 5,75,206.47 करोड़ रुपए हो गई। एक तरफ जहां 8 कंपनियों ने मोटा मुनाफा कमाया, वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज और इन्फोसिस की वैल्यू में गिरावट आई है। इन्फोसिस का मार्केट कैप 3,285.03 करोड़ रुपए घटकर 5.24 लाख करोड़ रुपए रह गया। वहीं, देश की सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज की वैल्यू भी 947.28 करोड़ रुपए कम हुई है। हालांकि, गिरावट के बावजूद रिलायंस 18.27 लाख करोड़ रुपए की वैल्यू के साथ देश की नंबर-1 कंपनी बनी हुई है।

भारती एयरटेल और एसबीआई के इन्वेस्टर्स को भी फायदा

इंफ्रास्ट्रक्चर दिग्गज लार्सन एंड टुब्रो (L&T) की मार्केट वैल्यू में 47,624.97 करोड़ रुपए का इजाफा हुआ। वहीं टेलीकॉम सेक्टर की दिग्गज कंपनी भारती एयरटेल की वैल्यू 45,873.43 करोड़ रुपए बढ़ी। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक SBI का मार्केट कैप भी 43,614.67 करोड़ रुपए बढ़कर 9.84 लाख करोड़ रुपए के पार निकल गया है। आईटी सेक्टर की बड़ी कंपनी TCS की वैल्यू में 26,303.49 करोड़ रुपए और हिंदुस्तान यूनिलीवर (HUL) की वैल्यू में 21,287.29 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

अमेरिका ने 1979 ईरान बंधक संकट की प्रवक्ता के बेटे को परिवार समेत हिरासत में लिया

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी विदेश विभाग ने शनिवार को राष्ट्रीय सुरक्षा और ऐतिहासिक शत्रुता के मद्देनजर एक बड़ा कदम उठाते हुए 1979 के ईरान बंधक संकट की प्रवक्ता मासूमेह इब्तेकर के बेटे सैयद ईसा हाशमी पर कार्रवाई की है। अमेरिकी विदेश विभाग ने सैयद ईसा हाशमी और उनके परिवार का कानूनी स्थायी निवासी दर्जा (ग्रीन कार्ड) रद कर दिया है। विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने तीन ईरानी नागरिकों सैयद ईसा हाशमी, उनकी पत्नी और बेटे के खिलाफ यह कार्रवाई की है। ये सभी ईरानी मूल के हैं और संयुक्त राज्य अमेरिका के वैध स्थायी निवासी हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो के निर्देश पर की गई इस कार्रवाई के तहत हाशमी, उनकी पत्नी और बेटे को हिरासत में ले लिया गया है और उन्हें जल्द ही देश से निकाला (Deport) जाएगा। अमेरिकी विभाग ने बताया कि इन कार्रवाइयों को अंजाम देने

के लिए उसने 'डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी' और आव्रजन लागू करने वाली एजेंसियों के साथ मिलकर काम किया। विभाग ने यह भी कहा कि प्रशासन अमेरिका को कभी भी ऐसे विदेशी नागरिकों का घर नहीं बनने देगा, जिनका संबंध अमेरिका-विरोधी आतंकवादी शासनों से हो। हाशमी, मासूमेह इब्तेकर के बेटे हैं। जिन्होंने 1979 के ईरान बंधक संकट के दौरान अग्रवादियों की प्रवक्ता के तौर पर काम किया था, जिस दौरान 52 अमेरिकियों को 444 दिनों तक बंधक बनाकर रखा गया था। बयान के अनुसार, एहतेकार ने बंधक बनाने वालों के लिए एक रमुख्य प्रचारकर की भूमिका निभाई थी। उन्होंने मीडिया के साथ दिखावटी बातचीत का इंतजाम किया और बंधकों के साथ किए जा रहे बर्ताव की एक ऐसी तस्वीर पेश की, जिसे अधिकारियों ने गुमराह करने वाली बताया।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकिाशत लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96